



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 23 मई दिल्ली, शनिवार, जून 10, 1978 (ज्येष्ठ 20, 1900)

No. 23] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 10, 1978 (JYAISTA 20, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

मुख्यालयों, नियंत्रक और महानियुक्त, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

मई दिल्ली-110011, दिनांक 1 मई 1978

सं. पी-1778/प्रशा० I—आयोग के कार्यालय में सीनियर प्रोफेसर के रूप में प्रतिनियुक्ति के समाप्ति पर श्री के० एस० नायक, लैक्चरर, संगणक विज्ञान एकक, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कलकत्ता की सेवाएँ 1-5-1978 के पूर्वाह्न से भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कलकत्ता को सुपुर्द की जाती है।

प्र० ना० मुख्यार्जी, अवर सचिव
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

मई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1978

सं. पी०-4/69-प्रशा०-5—निवेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानियुक्त विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री पी० वी० सिह, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, पटना जो बिहार राज्य से प्रतिनियुक्ति पर

है, को दिनांक 21-3-77 के पूर्वाह्न से 3 वर्ष की अवधि के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में वरिष्ठ लोक-अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

(यह अधिसूचना सं. पी० एक०/पी०-4/69-प्रशा०-5, दिनांक 6/3/78 के अधिक्रमण में है।)

सं. ए-19021/1/77-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० एम० कैरे, भारतीय पुलिस सेवा (1967-बिहार) को दिनांक 12-5-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 33 मई 1978

सं. ए-19021/2/78-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० रमानी, भारतीय पुलिस सेवा (1970-तामिलनाडु) को दिनांक 1-5-78 के प्रपराह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) के रूप में नियुक्त करते हैं।

जरनेल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

रक्षा भवानीसय

भारतीय आईनेन्स एवं आईनेन्स उपस्कर फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 12 मई 1978

सं० 5/78/ए/एम—डी० जी० ओ० एफ० निम्नलिखित अधिकारियों को तदर्थ प्राधार पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं :—

| क्रम सं० | नाम एवं पद | नियुक्ति स्थान | दिनांक |
|----------|--|-----------------------------|-----------|
| 1. | डा० टी० के० सिल्हा, सहायक सर्जन ग्रेड-1 | आईनेन्स फैक्टरी, भण्डारा | 12-8-1971 |
| 2. | डा० (श्रीमती) एम० सिल्हा, सहायक सर्जन ग्रेड-1 | आईनेन्स फैक्टरी, भण्डारा | 12-8-1971 |

सं० 6/78/ए/एम—डी० जी० ओ० एफ० निम्नलिखित अस्थायी तदर्थ सहायक सर्जनगण ग्रेड-1 के व्यापक प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से मंजूर करते हैं :—

| क्रम सं० | नाम | फैक्टरी | दिनांक |
|----------|--------------------------|-----------------------------|------------|
| 1. | डा० (श्रीमती) एम० सिल्हा | आईनेन्स फैक्टरी, भण्डारा | 13-11-1973 |
| 2. | डा० टी० के० सिल्हा | आईनेन्स फैक्टरी, भण्डारा | 26-12-1973 |

ब्रिनेडियर, पी० एन० चिल्हा,
सहायक सेवा निदेशक
हृते महानिदेशक आईनेन्स फैक्टरियां

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय, सिविल सेवा

कलकत्ता-69 दिनांक 11 मई 1978

सं० 12/78/ई-1—डी० जी० ओ० एफ० निम्नलिखित निजी सहायकगण को वरिष्ठता पर बिना प्रभावित हुए स्थानापन्न रूप में प्रत्येक के सामने दर्शाएँ ग्रेड में उल्लिखित तारीखों से पदोन्नत करते हैं :—

| | | | |
|----|---|--|----------------------------|
| 1. | श्री एस० गोपाल (30-6-75 से अवकाश प्राप्त) | स्टेनोग्राफर ग्रेड 'बी' / वरिष्ठ निजी सहायक स्टेनो- ग्राफर ग्रेड 'ए' निजी सचिव | 1-1-73 1-5-74 1-5-74 |
|----|---|--|----------------------------|

| | | | |
|-----|---|--|------------------|
| 2. | श्री एस० बेदागिरि (31-1-76 से अवकाश प्राप्त) | स्टेनोग्राफर ग्रेड 'बी' / वरिष्ठ निजी सहायक स्टेनोग्राफर ग्रेड 'ए' / निजी सचिव | 1-1-73 1-5-74 |
| 3. | श्री एस० बी० ईश्वरन् (29-2-76 से अवकाश प्राप्त) | स्टेनोग्राफर ग्रेड 'बी' / वरिष्ठ निजी सहायक स्टेनोग्राफर ग्रेड 'ए' / निजी सचिव | 1-1-73 1-5-74 |
| 4. | श्री एम० के० सेन | स्टेनोग्राफर ग्रेड 'बी' / वरिष्ठ निजी सहायक स्टेनोग्राफर ग्रेड 'ए' / निजी सचिव | 1-1-73 1-7-75 |
| 5. | श्री के० एन० मुख्यर्ती | स्टेनोग्राफर ग्रेड 'बी' / वरिष्ठ निजी सहायक स्टेनोग्राफर ग्रेड 'ए' / निजी सचिव | 1-1-73 1-2-76 |
| 6. | श्री आर० सुन्दरम् | स्टेनोग्राफर ग्रेड 'बी' / वरिष्ठ निजी सहायक | 1-1-73 |
| 7. | श्री बी० मंडल | स्टेनोग्राफर ग्रेड 'बी' / वरिष्ठ निजी सहायक | 23-9-73 |
| 8. | श्री सी० ए० शंकर मारायणन् | स्टेनोग्राफर ग्रेड 'बी' / वरिष्ठ निजी सहायक | 24-9-74 |
| 9. | श्री पी० के० चक्रवर्ती | स्टेनोग्राफर ग्रेड 'बी' / वरिष्ठ निजी सहायक | 1-7-75 |
| 10. | श्री बी० आर० नायर | स्टेनोग्राफर ग्रेड 'बी' / वरिष्ठ निजी सहायक | 1-2-76 |

डी० पी० चक्रवर्ती,
सहायक महानिदेशक (प्रशासन-II),
हृते महानिदेशक, आईनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-700016, दिनांक 19 मई 1978

सं० 19/78/बी—सेवा निवृति पूर्व अवकाश की समाप्ति पर, श्री आर० के० बोस, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं

स्थायी फोरमेन) दिनांक 31-7-1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० महता,
सहायक महानिदेशक आर्डनेस्स फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय

(श्रम पूर्ति)

शिमला-171004, दिनांक 3 जून 1978

सं० 23/3/78-सी० पी० आई०--अप्रैल, 1978 में औद्योगिक अधिकारों का अस्विष्ट भारतीय उपचारका मूल्य सूचकांक (आधार 1960-100) मार्च, 1978 के स्तर से एक अंक बढ़ कर 322 (तीन सौ बाईस) रहा। अप्रैल, 1978 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949-100 पर परिवर्तित किए जाने पर 391 (तीन सौ इकानवे) आसा है।

विभूति सिंह
उप-निदेशक

उद्योग मंत्रालय

ओद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1978

सं० ए-19018(304)/77-प्रशासन (राष्ट्रपति)---संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर राष्ट्रपति जी श्री एम० मधुरनाथ को दिनांक 15 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में उपनिदेशक (विद्युत) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एम० मधुरनाथ ने लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद में दिनांक 15 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से उपनिदेशक (विद्युत) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

बी० वेंकटरायसु
उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1978

सं० प्र०-1/1(553)---निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्थ सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री आर० एन० मंडल दिनांक 30-4-78 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र० 1/1/(713)---राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उपनिदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप के ग्रेड II) श्री एस० सी० कुमार को दिनांक 21 मार्च, 1978 के अपराह्न से और आवेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा,

ग्रुप-ए) के ग्रेड I के पद पर नियमित आधार पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री कुमार ने उपनिदेशक का पदभार छोड़ दिया और 21-3-78 के अपराह्न से मुख्यालय में निदेशक, पूर्ति का पदभार सम्भाल लिया।

सं० प्र०-1/1(728)---पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई में स्थानापन्थ सहायक निदेशक (ग्रेड II) श्री ए० के० राधाकृष्णन दिनांक 30 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 23 मई 1978

सं० प्र०-1/1(703)---राष्ट्रपति श्री प्रयाम किशोर मलिक को 3 मई 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में नियमित आधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड I, ग्रुप ए) के पद पर स्थानापन्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री प्रयाम किशोर मलिक ने उपनिदेशक (पूर्ति) का पद भार छोड़ दिया तथा 3-5-78 के अपराह्न को मुख्यालय में निदेशक (पूर्ति) का पद भार ग्रहण कर लिया।

सूर्य प्रकाश,
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1978

सं० 10/90/77-एस०-III---महानिदेशक, आकाशवाणी श्री अनिल कुमार को आकाशवाणी जोधपुर में दिनांक 1-5-78 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

हर्जीत सिंह,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक मई 1978

सं० 3/21/60-एस-दो---श्री एस० संथ ने, केन्द्रीय विक्रम एकक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, बम्बई में वरिष्ठ लेखाकार के पद पर परावर्तन पर, 22-4-78 (अपराह्न) को आकाशवाणी, राजकोट से प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एस० बी० संपादी,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1978

सं० ए० 12025/1/77-भण्डर-I---राष्ट्रपति ने सर्वश्री मोतीं लाल मीना तथा हिम्मत लाल देवाभाई पटेल को

6 मार्च, 1978 तथा 8 मार्च 1978 पूर्वाह्न से क्रमशः सरकारी मेडिकल स्टोर डीपू कलकत्ता/करनाल में उप सहायक महानिदेशक (एस० एस०) के पद पर नियुक्त किया है। सर्वश्री भीना तथा पटेल की उनके पठभार संभालने की तारीख से 3 महीने के लिए सरकारी मेडिकल स्टोर डीपू हैंदराबाद में अपने-अपने पदों पर बने रहने की अनुमति दी जाती है।

संगत सिह,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1978

सं० ए० 17-70/73-प्रशासन-I—अपनी प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर श्री एच० जी० बिजलानी ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय से 1 मई, 1978 पूर्वाह्न से तकनीकी अधिकारी (चिकित्सा भण्डार) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 12025/48/76-(र० मे० उ० का०)/प्र०-I—राष्ट्रपति ने श्री कैलाश रस्तोंगी को 17 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय मलेशिया उन्मूलन कार्यक्रम, नई दिल्ली में कीटविज्ञानी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19019/44/77-(एच०क००) प्रशासन—I—राष्ट्रपति ने श्री एम० के० गुप्ता, वास्तुविद, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, का० 6 अप्रैल, 1978 अपराह्न से सरकारी सेवा से त्याग-पत्र स्वीकार कर लिया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरोड़बाड़, दिनांक 20 मई 1978

सं० ए० 19025/70/78-प्र० त०—श्री एस० पी० शिंदे वरिष्ठ निरीक्षक को विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय, बम्बई में दिनांक 29-4-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्थ महायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/77/78-प्र० त०—श्री एम० जगन मोहन राव वरिष्ठ निरीक्षक को विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय, चिलकालूरीपेटा में दिनांक 1-5-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्थ महायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

वेद प्रगति चावला,
प्रशासन निदेशक
कृते कृषि विषयन सलाहकारा

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 11 मार्च 1978

संदर्भ एस/1966/टी० एस० डी०/स्थाप०, II/1879—निदेशक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने श्री किशोरीलाल शर्मा एक स्थार्ड फोर्मैन तथा स्थानापन्थ वैज्ञानिक अधिकारी (एस० शी०) का सेवा से त्यागपत्र 25 मार्च 1978 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

श्री शर्मा ने 25 जनवरी 1978 के अपराह्न से अपना कार्यभार छोड़ दिया और उन्हें दिनांक 25 जनवरी 1978 से 25 मार्च 1978 के अपराह्न तक 60 दिन की अर्जित छुट्टी प्रदान की गई।

पी० एस० वेंकटसुब्रमण्यम्,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 17 मई 1978

सं० क० भ० नि०/23/4/77-संस्थापन/14123—निदेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री के० पी० पिल्लै को अवकाश स्वीकृत होने के कारण इसी निदेशालय, के अस्थायी क्रय सहायक श्री पी० एन० य० नायर को दिनांक 29-4-1978 से 31-5-1978 तक सहायक क्रय अधिकारी के पद पर इसी निदेशालय में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन क्रम में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० क० भ० नि०/23/4/77-संस्थापन/14127—निदेशक, क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री जे० टी० नेहरुकर सहायक क्रय अधिकारी को अवकाश स्वीकृत हो जाने के कारण, इसी निदेशालय के अस्थायी क्रय सहायक श्री एस० जी० जेवले को दिनांक 14-4-1978 से 19-5-1978 तक सहायक क्रय अधिकारी के पद पर इसी निदेशालय में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन क्रम में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 मई 1978

संदर्भ क० भ० नि०/प्र०/32011/3/76/संस्थापन/14192—इस निदेशालय की समसंबंधिक अधिसूचना दिनांक 18 अप्रैल 1978 के तारतम्य में निदेशक, क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री के० पी० जोसफ सहायक, कार्मिक अधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त होने के कारण इसी निदेशालय के अस्थायी सहायक, श्री कर्षवित्तल रवीन्द्रन को दिनांक 21 अप्रैल 1978 पूर्वाह्न से 20 मई 1978 अपराह्न तक सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के बेतन क्रम में तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 3 मई 1978

सं० पी० ए० आर०/0704/565—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री मोहम्मद मिन्हाज रसूल, उच्च श्रेणी लिपिक को 3-5-1978 से 5-6-1978 या आगामी आदेशों, जो भी पहले वित्त हो, तक की अवधि के लिए नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

यू० वासुदेव राव,
प्रशासन अधिकारी

परमाणु विद्युत परियोजना

कलपक्कम 603102, दिनांक 5 मई 1978

सं० एम० ए० पी० पी०/18(87)/78-भर्ती—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, स्थायीवत वैज्ञानिक महायक (सी) श्री आर० सुब्बेया को 1 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक इस परियोजना में स्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-प्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

के० बालकृष्णन,
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 19 मई 1978

सं० ए० एम० डी०-1/28/77-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री संजय कुमार दास को 23 जनवरी 1978 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर, प्रेड एस० बी०, नियुक्त करते हैं।

सं० पखप्र-1/28/77-प्रशासन—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, एसद्वारा श्री इलावाजाला वेक्ट शास्त्री को परमाणु खनिज प्रभाग में फरवरी 13, 1978 (अपराह्न) से अगले आदेश तक के लिए स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता प्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन,
वरिष्ठ प्रशासनिक एवं सेक्षा अधिकारी

तारापुर परमाणु विज्ञीधर

महाराष्ट्र-401504, दिनांक 12 मई 1978

सं० डी० ए० पी० एस०/1/34(1)/77-आर(Vol. II)/12—मुख्य अधीकारी, तारापुर परमाणु विज्ञीधर, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित व्यक्तियों को आगामी पद पर पद वृद्धि के लिए चयन हो जाने के कलस्वरूप, तारापुर परमाणु विज्ञीधर में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता एस० बी० के पद पर ₹० 650-30-740-35-810-₹० बी०-35-880-40-1000-₹० बी०-35-880-40-1000-₹०

वी०-40-1200 के बेतनकम में, इसी विज्ञीधर में अस्थायी क्षमता में 1 फरवरी, 1978 (अपराह्न) से नियुक्त करते हैं :—

| क्रमसंख्या | नाम तथा पद |
|------------|---|
| 1. | श्री पी० बालकृष्णन, वैज्ञानिक सहायक 'सी' |
| 2. | श्री डी० एम० पांडेय, वैज्ञानिक सहायक 'सी' |
| 3. | श्री एम० एस० सन्धानम, ड्रेड्समैन 'जी' |
| 4. | श्री एस० पी० थामस, ड्रेड्समैन 'जी' |

ए० डी० देसाई,
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

परमाणु विद्युत प्राधिकरण

मुख्य-400039, दिनांक 27 अप्रैल 1978

सं० एपोप्र/प्रशासन/16/89/78—प्रध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक, परमाणु विद्युत प्राधिकरण, श्री पी० के० चौपड़ा को, उच्चतावाला तारापुर परमाणु विज्ञीधर से हो जाने पर, 9 मार्च, 1978 से अगले आदेश तक के लिए, परमाणु विद्युत प्राधिकरण (केन्द्रीय कार्यालय) में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर प्रेड एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० मुरली
मुख्य प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी
कूटे प्रध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम-603102, दिनांक 8 मई 1978

सं० ए० 32012/5/78-आर/10053—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, इस केन्द्र के निम्नलिखित अस्थायी अधिकारियों को उसी केन्द्र में रुपये 650-30-740-35-810-₹० रो०-35-880-40-1000-₹० रो०-40-1200 के बेतनमान में 1 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-एस० बी० नियुक्त करते हैं :—

| फौरमैन |
|--|
| नक्षानवीस 'सी' |
| नक्षानवीस 'सी' |
| नक्षानवीस 'सी' |
| वैज्ञानिक सहायक 'सी' |
| वैज्ञानिक सहायक 'सी' |
| वैज्ञानिक सहायक 'सी' |
| आर० एच० शानमुखम, प्रशासन अधिकारी, कूटे परियोजना निदेशक रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र |

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1978

सं० ए-38015/9/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन संबंद घोषित करते हैं कि श्री एस० ए० एक्सवीयर, सहायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट, दम दम का दिनांक 1-4-78 को निधन हो गया है।

सत्य देव शर्मा,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1978

सं० ए० 32014/4/77-ई०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से एक वर्ष की अवधि के सिए अथवा पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, तदर्थं आधार पर सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया गया है :—

| क्रम सं० | नाम | तारीख | तैनाती स्टेशन |
|----------|-----------------------|---------|--------------------------------------|
| 1. | श्री एच० एस० संघू | 5-12-77 | अमृतसर |
| 2. | श्री के० सी० शर्मिया | 6-12-77 | बम्बई (जूह) |
| 3. | श्री सी० थी० जोसफ | 5-12-77 | मदुरै |
| 4. | श्री एच० डी० घोषाल | 5-12-77 | बैलगाम |
| 5. | श्री पी० राधवन | 5-12-77 | मदुरै |
| 6. | श्री पी० के० दे | 5-12-77 | बेगमपेट |
| 7. | श्री एम० आर० नायडू | 5-12-77 | दिवेन्द्रम |
| 8. | श्री हस राज | 5-12-77 | धोक्योपनिदेशक का कार्यालय, नई दिल्ली |
| 9. | श्री एम० के० रायथोषरी | 5-12-77 | उत्तरी लखीमपुर |
| 10. | श्री जे० आर० संयनी | 5-12-77 | कानपुर (चक्रेरी) |
| 11. | श्री पी० एन० धर | 5-12-77 | जोधपुर |
| 12. | श्री एम० एम० शर्मा | 5-12-77 | जयपुर |
| 13. | श्री आर० डी० बाजपाई | 5-12-77 | दम दम |
| 14. | श्री जे० एल० कपूर | 5-12-77 | काण्डला |
| 15. | श्री एम० जी० थोरट | 5-12-77 | विजयवाड़ा |
| 16. | श्री प्रेम कुमार | 5-12-77 | बाराणसी |
| 17. | श्री वी० एस० आर० राव | 5-12-77 | नागपुर |
| 18. | श्री एल० सी० चम्दवानी | 5-12-77 | बम्बई (जूह) |
| 19. | श्री के० आर० पांडुले | 5-12-77 | दिवेन्द्रम |

वी० वी० जोहरी
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

इलाहाबाद, दिनांक 22 मार्च 1978

सं० 2/1978—कानपुर समाहर्तालय के मुख्यालय में तैनात स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) श्री एस० एन० पी० माशुर ने, जिन्हें इस कार्यालय के स्थानापना आदेश सं० 52/1977, दिनांक 10-3-1977 के अनुसार रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-04-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अगला आदेश होने तक स्थानापन अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, वर्ग 'ब' के रूप में नियुक्त किया गया था, दिनांक 7-4-77 को दोपहर से पहले एम० थ्रो० आर० पीलीभीत के अधीक्षक के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

अमृत लाल नन्दा,
समाहर्ता

सिकंद्राबाद, दिनांक 17 मई 1978

सं० पी/गजट/185/एकाउण्ट—श्री टी० मलयाद्रि जो इस रेलवे पर भारतीय लेखा सेवा के एक अधिकारी हैं, दिनांक 02-8-1977 (दो अगस्त उन्नीस सौ सतहसर) से उसी सेवा के कनिष्ठ वेदानमान में स्थायीकरण किया जाता है।

टी० एम० तोमस,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंडालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और किनतुरुद क ट्रानसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के बारे में

मद्रास, दिनांक मई 1978

सं० 4518/560(3)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 को धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधार पर किनतुरुद क ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

सी० अच्युतन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और के किउडाल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 18 मई, 1978

सं० ए०-514/78-704(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि फिउडल प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और के उत्कल पएन्ट्स एन्ड
अलाइड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 18 मई, 1978

सं० ए०-५५१/७८-७०३(२)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा ५६० का उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उत्कल ए पएन्ट्स एंड अलाइड प्रोडक्ट्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

डी० के० पाल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम 1956 और धिल्लनरेफीजरेशन
इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 18 मई 1978

सं० ४९४८/३१३८—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि धिल्लन रेफीजरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आगराट्रेड एसोसिएशन
के विषय में

कानपुर, दिनांक 18 मई 1978

सं० ४९४९/३३९-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आगरा ट्रेड एसोसिएशन का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और यू० पी० इम्पोर्ट्स एण्ड
एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 20 मई 1978

सं० ५०१९/१४४७—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि यू०पी० इम्पोर्ट्स एण्ड एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और व्यापार सहायक बैंक लिमिटेड
(सिक्कीडेशन) के विषय में

कानपुर, दिनांक 20 मई 1978

सं० ५०२०ए०/४८ एल०सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा ५६० की उपधारा (४) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना

दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर व्यापार सहायक बैंक लिमिटेड (सिक्कीडेशन) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और फ्लोरा फाइनेंस एण्ड
चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 20 मई 1978

सं० ५०२०/२९९४/एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि फ्लोरा फाइनेंस एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

एम० एल० शाह,
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज,
यू० पी० कानपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धोलपुर फूड ग्रोवर्स कम्पनी
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 19 मई, 1978

सं० १२००/ए०/५६०/२६३४—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धोलपुर फूड ग्रोवर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मध्य भारत एग्रो एण्ड
अरबन डेवलेपमेन्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 19 मई 1978

सं० ११४३/ए०/५६०/२६३६—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मध्य भारत एग्रो एण्ड अरबन डेवलेपमेन्ट कम्पनी प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धीलपुर लेण्ड हेवलपमेन्ट

कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 19 मई 1978

सं० एच 95/ए/560/2638—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धीलपुर लेण्ड हेवलपमेन्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दी ग्वालियर लेण्ड हेवलपमेन्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 19 मई 1978

सं० 1144/ए/560/2632—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि डिप तारीख से तीन मास के अवसान पर दी ग्वालियर लेण्ड हेवलपमेन्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दी ग्वालियर फूड प्रोवर्स एण्ड कल्टीवेट्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 19 मई 1978

सं० 1152/ए/560/2630—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ग्वालियर फूड प्रोवर्स एण्ड कल्टीवेट्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जायेगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स योगीराज पोटरीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 20 मई 1978

सं० 560/1439—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स योगीराज पोटरीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स योगीराज रेयोन एण्ड मिल्स मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 20 मई 1978

सं० 560/2132—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, मैसर्स योगीराज रेयोन एण्ड मिल्स मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स आवकार बेनीफिट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 20 मई 1978

सं० 560/1926/560—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स आवकार बेनीफिट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स अकोटा पाल्टी फार्म प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 20 मई 1978

सं० 560/2419—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स अकोटा पाल्टी फार्म प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

जे० न०० गाथा,
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य,
अहमदाबाद

मैसर्स मलिक लोन गरानुलेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2)
के अन्तर्गत नोटिस

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 मई 1978

सं० को० विभिन्न०/6649/9168—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 21-3-1978 के आदेश से मैसर्स मलिकलोन गरानुलेस प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्त होना, आदेशित हुआ है।

मैसर्स विक्टर इलेक्ट्रिक कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस

दिल्ली, दिनांक 20 मई 1978

सं. को० लिक्व०/625/9175—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 9-3-1978 के आदेश से मैसर्स विक्टर इलेक्ट्रिक कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापित होना, आदेशित हुआ है।

मैसर्स लैंडर एण्ड आर्टिस्टिक क्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस

दिल्ली, दिनांक 20 मई 1978

सं. को० लिक्व०/735/9200—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 16-3-1978 के आदेश से मैसर्स लैंडर एण्ड आर्टिस्टिक क्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापित होना आदेशित हुआ है।

आर० के० अरोड़ा,
कम्पनी रजिस्ट्रार
दिल्ली एवं हरियाणा

कार्यालय, आयकर आयुक्त

नई दिल्ली-2, दिनांक 9 मई 1978

आयकर

सं. जुरि-दिल्ली/2/78-79/3610—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 124' की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 1-6-1978 से निम्नलिखित आयकर संकिळ बनाया जायेगा।

(1) द्रस्ट संकिल-5, नई दिल्ली ।

का० सं. जुरि-दिल्ली/2/78-79/3724—इस विषय पर पहले के सभी आदेशों का अधिकरण करते हुए तथा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निम्नलिखित आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-3 में उलिलिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के बगौं, आय या आय के बगौं तथा मामलों या मामलों के बगौं के बारे में अपने कार्य करेंगे। किन्तु वे उक्त अधिनियम 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत किसी भ्रष्ट आयकर अधिकारी को सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले व्यक्तियों 2-106GI/78

या व्यक्तियों के बगौं, आय या आय के बगौं तथा मामलों के बगौं के बारे में अपने कार्य नहीं करेंगे।

अनुसूची

| क्रम सं. | आयकर अधिकारी का पदनाम | अधिकार क्षेत्र |
|----------|---|---|
| 1. | आयकर अधिकारी, द्रस्ट संकिल-1, नई दिल्ली | सभी धर्माधि तथा धार्मिक द्रस्टों/संस्थानों के मामले जिनके नाम अंग्रेजी वर्ण-माला के अक्षर 'ए' से 'सी' (दोनों को मिलाकर) तक के किसी भी अक्षर से आरंभ होते हों। |
| 2. | आयकर अधिकारी, द्रस्ट संकिल-2, नई दिल्ली | सभी धर्माधि तथा धार्मिक द्रस्टों/संस्थानों के मामले जिनके नाम अंग्रेजी वर्ण-माला के अक्षर 'एस' से 'जेड' (दोनों को मिलाकर) तक के किसी भी अक्षर से आरंभ होते हों। |
| 3. | आयकर अधिकारी, द्रस्ट संकिल-4, नई दिल्ली | सभी धर्माधि तथा धार्मिक द्रस्टों/संस्थानों के मामले जिनके नाम अंग्रेजी वर्ण-माला के अक्षर "डी" से "ज" (दोनों को मिलाकर) तक के किसी भी अक्षर से आरंभ होते हों। |
| 4. | आयकर अधिकारी, द्रस्ट संकिल-5, नई दिल्ली | सभी धर्माधि तथा धार्मिक द्रस्टों/संस्थानों के मामले जिनके नाम अंग्रेजी वर्ण-माला के अक्षर "के" से "शार" (दोनों को मिलाकर) तक के किसी भी अक्षर से आरंभ होते हों। |

यह अधिसूचना 1-6-1978 से लागू होगी।

ए० सी० जैन,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1978

फा० सं. जुरि-दिल्ली/5/78-79/3966—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के सभी आदेशों में आंशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5,

नई दिल्ली निवेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-4 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के बगौं, आय या आय के बगौं तथा मामलों या मामलों के बगौं के बारे में अपने कार्य करेंगे। किन्तु उक्त अनुसूची के कालम-3 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त बारे में अपने कार्य नहीं करेंगे।

अनुसूची

| | | | |
|-----|-----------------|----------------|-------------|
| अम् | उस आयकर अधि- | उस आयकर अधि- | अधिकार छोड़ |
| सं० | कारी का पदनाम | कारी का पदनाम | |
| | जो कार्य करेंगे | जो इस कार्य | |
| | | को नहीं करेंगे | |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---------------|--|--|--|
| 1. डिं-2(1) } | डिं-2(2), 2(12), 2(13), 2(14), 2(15), 2(16) | फर्मों के भागीदार के सभी व्यक्ति जिनके मामले धारा 127 के अंतर्गत कालम-2 में निर्दिष्ट आय- कर अधिकारियों को सौंप दिए गए हैं। किन्तु इनमें धारा 127 के अंतर्गत कालम-3 में निर्दिष्ट आय- कर अधिकारियों को सौंपे गए मामले शामिल नहीं हैं। | फर्मों के भागीदार के सभी व्यक्ति जिनके मामले धारा 127 के अंतर्गत कालम-2 में निर्दिष्ट आय- कर अधिकारियों को सौंप दिए गए हैं। किन्तु इनमें धारा 127 के अंतर्गत कालम-3 में निर्दिष्ट आय- कर अधिकारियों को सौंपे गए मामले शामिल नहीं हैं। |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---------------|-------|-------|-------|
| 2. डिं-2(3) | —वही— | —वही— | —वही— |
| 3. डिं-2(4) | —वही— | —वही— | —वही— |
| 4. डिं-2(5) | —वही— | —वही— | —वही— |
| 5. डिं-2(6) | —वही— | —वही— | —वही— |
| 6. डिं-2(7) | —वही— | —वही— | —वही— |
| 7. डिं-2(8) | —वही— | —वही— | —वही— |
| 8. डिं-2(9) | —वही— | —वही— | —वही— |
| 9. डिं-2(10) | —वही— | —वही— | —वही— |
| 10. डिं-2(11) | —वही— | —वही— | —वही— |
| 11. डिं-2(11) | —वही— | —वही— | —वही— |

अतिरिक्त

यह अधिसूचना 15-5-78 से लागू होगी।

के० आर० रघवन,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली

संगठन और प्रबन्ध सेवा निवेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1978

फा० सं० 36/1/78-ए डी/डी० ओ० एम० एस०/1701—
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के दिनांक 20-2-78 के पत्र सं० ए-22013/
3/77-एडी-6 संख्यक कार्यालय आदेश के अनुसार श्रीमती कुसुम
रवीन्द्र भाटिया, सहायक निवेशक (प्रशिक्षण विभ.), क्षेत्रीय
प्रशिक्षण संस्थान, बम्बई, की प्रतिनियूक्ति के ब्यवहार पर संगठन
और प्रबन्ध सेवा निवेशालय (आयकर), नई दिल्ली में सहायक
निवेशक के पद पर नियुक्ति की गई है। तदनुसार उन्होंने 31-3-78
से कार्यभार सम्भाल लिया है।

जगदीश अन्द्र, निवेशक,
संगठन और प्रबन्ध सेवा निवेशालय
(आयकर)

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकार (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अप्रैल 1978

निदेश सं. 11189/अर्जनदिहराइन/77-78/105—अतः,
मुझे, आर० पी० भारंगव,
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (श्री इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहराइन
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 19-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की,
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
नं. 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, धा. धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित उपचारों, अथवा :—

1. श्री देवराज बंसल पुत्र चिरंजी लाल निं० मालवीय रोड,
देहराइन एवं कुण्ड लाल पुत्र मंसाराम निं० 7,
सहारनपुर रोड, देहराइन (अन्तरक)

2. श्री मैसरै अमीर चंद्र हुकुम चन्द्र साहनी फोरेस्ट कंट्रैक्टर
सहारनपुर रोड, देहराइन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी भावेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रचल सम्पत्ति प्लाट 1873 वर्ग मीटर खसरा नं०
238, म्युनिस्पल नं० 6 सहारनपुर रोड, देहराइन 87,150/-
के विक्रय मूल्य बच्ची गयी।

आर० पी० भारंगव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकार (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-4-78

मोहर :

प्रमुख धारा ३० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 मार्च 1978

निवेश नं० एएसआर/64/77-78—यतः, मुझे, एस० के०
गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो हैड वाटर वर्से रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने पर उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

पत्र नं० उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम नी धारा 269-व को उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्टत :—

1. श्री सुभाष अन्नद पुन्न श्री सतपाल, निवासी अमृतसर चौक फरीद (अन्तरक)
2. मैसर्ज ओम मिलिंग एवं डाइंग वर्से, हैड वाटर वर्से रोड, अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होया जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1551 अगस्त 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 30-3-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) वे: प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 10 अप्रैल 1978

निदेश नं० एएसआर/65/77-78—यतः, मुझे, एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सू-खंड है तथा जो जी० टी० रोड़ अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रति:—

1. उक्त सिंह पुत्र श्री मेला सिंह, निवासी 13-ए अजीतनगर, अमृतसर (अन्तरक)
2. सर्वे श्री इकबाल सिंह पुत्र श्री रसन सिंह, निवासी, भगत सिंह पुरा, अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यह कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिभित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, ननी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खंड जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1550 अगस्त 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख : 10-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एल० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

हार्डिंग ट्राइड प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 27 मार्च 1978

निदेश सं० एल० सी० 182/77-78—यतः मुझे सी० पी०
ए० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन पत्रन प्राप्तिहारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुमति के अनुसार है, जो कालिकट में स्थित
है (और इससे उभाव अनुमति में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय चालपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-9-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने ता कारण है कि अनुमति अन्तिम के उचित बाजार
मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत ८ प्रतिशत है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रौढ़/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

प्रा० प्रा० उक्त नियम 269-वा० के मनुसरण
में, मैं, उक्त प्रविनियम की धारा 269-वा० की उआया (1)
अधीन निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चेरिया मोहम्मद हाजी (अन्तरक)

2. (1) डा० पोल भगवत सिंह, (2) डा० मेरीकुटि
सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायंवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11 Cents of land with buildings in R.S. No. 7-3-51, in
Calicut Towns.

सी० पी० एल० वासुदेवन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 27-3-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टो० एन० एस०—

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, महावकर प्रावकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 27 मार्च 1978

निदेश सं० एल० सी० 181/77-78—यतः मुझे सी० पी०
ए० वासुदेवन

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट में स्थित है (ग्रीष्मे इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चालपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-9-1977 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि प्रथारूपन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीष्मे अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तारण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तारण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तारक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विदा के लिए; भौर/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आपकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनिया या ग्रन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रस्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या जिसने में मुश्विदा के लिए;

अनु: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के प्रस्तारक में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपशारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती साविनी के० वि० (2) के० वी० देवदासन, (3) के० वी० वलसला, (4) के० वी० तन्कम, (5) के० वी० सदानन्दन, (6) के० वी० गिरिजा, (7) के० वी० मोहनदास, (8) के० वी० लता, (9) के० वी० रखुदास (अन्तरक)

2. मैसर्स शक्ति आटोमोटोव्हल्स, कालीकट (मानेजिंग पार्टनर श्री ए० ड्वाणमुगसुन्दरस के द्वारा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रधिक या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रधिक, जो भी प्रधिक बाद में उपाय होनी छोड़ दी जाए तो भी नर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से निम्नी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी गम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

इष्टदेवताः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ना प्रधिनियम, के अध्याय 20-के परिमापिता है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

66.80 Cents of land with buildings in Sy. No. 14/4 (R.S. 23-4-149) in Pannikara Anusom desom in Kozi Kode Taluk.

सी० पी० ए० वासुदेवन,
सक्षम प्राधिकारी
महावकर आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 27-3-78

मोहर :

प्रस्तुत प्राप्ति ३० टी० एन० एस० —
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1978

निर्देश सं० 402/अर्जन रेज-III/77-78/कल—आतः मुझे,
 किशोर सेन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके उचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- ₹० से अधिक है
 और जिसकी सं० 7 है तथा जो मेफेयार रोड़, कलकत्ता में स्थित
 है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 10-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
 अधिनियम' के अधीन कर देने के प्रतिक
 के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
 सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
 या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
 अन्तरण में, ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
 उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स बिं ० एन० इलयास एन्ड को० लि०, १ तथा २,
 ओल्ड कोर्ट हाउस कर्नार, कलकत्ता-७००००९ (अन्तरक)
 2. श्री पन्जाबी बादारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
 दिन की अवधि या तस्मान्धांशी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम' के प्रधान २०-क में
 परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधान
 में दिया गया है।

अनुसूची

7, मेफेयार रोड़, कलकत्ता, जमीन का परिमाण ९ बिला
 4 छठांक तथा ३६ लूबेर फीट या १३६६.२२० लूबेर मीटर,
 साथ एक घो मंजिला मकान तथा आउट हाउस जो सन १९७७ के
 दलील सं० ४२१२ के अनुसार रजिस्ट्रार आफ असियोरेन्स, कलकत्ता
 के सामने अन्तरित हुआ है।

किशोर सेन,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख : 24-2-1978

मोहर :

प्रलेप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 अप्रैल 1978

निर्देश सं० एसएल 446/टीआर-110/सी-102/कल-1/
77-78—अतः मुझे एल० के० बालसुब्रमनियन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,

और जिसकी सं० 83 और 83 बी है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है, (और इसके उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गढ़० प्लेस, नार्थ कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 13-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविकल्पों अर्थात् :—

1. (1) ताहेरभय फीदा आली
- (2) इहाइयाभय फीदा आली
- (3) ग्राबडलाभय फीदा आली
- (4) सालेभय फीदा आली
- (5) दायुदभय फीदा आली

(6) तायेभय फीदा आली

सबका पता : 9 गनेश चन्द्र एभिन्यु कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. फवेरिट स्माल इनवेस्टमेंट लिमिटेड, 9 डी० महामेडान
बैयरियल ग्राउन्ड लेन, कलकत्ता-23 (अन्तरिती)

3. अधिभोग में :

(1) एम० ए० तुलोब एण्ड को० प्रा० लिमिटेड

(2) आलिजन पानवाला

(3) मह: इसमाइल मह: हालिब

(4) मिसेस स्वप्ना राय

(5) चिरंजीव राय

(6) नेशनल बुक स्टोरस

(7) पारला बुक स्टोरस

(8) श्रीमती कुनवा रानी भिजया राजय

(9) सान्डेविक एसिया लिमिटेड

(10) आर० इ० पटेल

(11) भिभेक सेलभिया

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

करीब 12 कठा 2 छठांक 26 स्को फुट जमीन साथ उसपर^र
बनाया आंशिक एकतला आंशिक दो तला मकान जो 83 ए०
पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित और 2 कठा 6 छठांक 17 स्केयर
फुट जमीन साथ उसपर बनाया आंशिक दो तला आंशिक तीन
तला मकान जो 83 बि० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित
और समुच्चा सम्पत्ति रविन्द्र रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स द्वारा रजिस्ट्री-
ड्रूत टलिल सं० L-4229/1977 के अनुसार है ।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, कलकत्ता

तारीख: 22-4-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

কলকাতা, দিনাংক ৮ মई ১৯৭৮

निर्देश सं० एसी-2/एसीक्यू-ग्राम-IV/कल/78-79—ग्रतः
मुझे पी० पी० सिह,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भ्रष्टाचारी' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
प्रधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो कागिन्पुर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-9-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह तिशत रे घण्टिक है और घन्सरक (अन्तर्खिकों) और घन्सरिती (घन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भ्रष्टाचार से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रोट/पा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या पन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबंध प्रत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं हित्या गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सविष्ठा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की शारा 269-ए के प्रनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की शारा 269-ए को उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्तित:—

- श्रीमती चम्पा गौरि आजमेरा, लिलम मेहता, सभिता
मोतानी (अन्तरक)
 - श्रीमती आशादेवी आगरवाला (अन्तरिक्षी)

S.l. No. Name

1. Mohd. Sebhan
2. Mohd. Elias
3. Jyoti Electroplating
4. Shree Pal Singh
5. Raj Bali Yadav
6. Mullick Industries
7. Rubber Roller Print & Industrial
8. Kedco
9. P. D. Industries
10. Shyam Sunder Rathi
11. Micro Filters
12. Rubber Rollers Printing & Industr
13. Bairangbali Agency

14. Ram Suchet Singh
 15. K. C. Jain
 16. R. K. Singh
 17. Radhe Shyam Goenka
 18. Shyam Sunder Rathi
 19. Sushila Devi Goenka
 20. Kusum Art Print
 21. Mohd. Elias
 22. Balkishan Rathi
 23. Shyam Sunder Rathi
 24. Goverdhan Das Rathi
 25. India Paper Pulp
 26. Ply Plastic Industries
 27. Amar Singh
 28. K. L. Pandey
 29. M. P. Singh
 30. Budhraj Rathi
 31. Mahesh Plastic Industries
 32. Shyam Sunder Rathi
 33. Sett & De
 34. Sadhana Industries
 35. Cossipore Industries
 36. Jublee Plastic
 37. Ramkrishna Murthy
 38. V. K. Agarwal
 39. B. D. Aurora
 40. Ravi Shankar Acharya
 41. Rampal Singh
 42. Kishanlal Singh
 43. Cossipore Industries
 44. Meera Devi Shah
 45. Madan Lal Shah
 46. Shib Shankar Ray
 47. Rajinder Prasad Gupta
 48. Surinder Prasad Singh
 49. Balkishan Agarwala
 50. T. N. Trivedi
 51. N. K. Trivedi
 52. K. L. Pandey & Ors.
 53. R. L. Dave

3. वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए काँयदाक्रियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भिन्न-
नियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अन संख्या

करीब 1 विधा 12 कट्टा 9 छटांक 33 स्केयर फुट जमीन साथ उस पर बनाया 3 तला मकान और आउटहाउस का 1/5 हिस्सा जो 15 काशिपुर रोड, थाना चितपुर कलकत्ता पर अवस्थित।

पी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

श्रीरामचन्द्र, अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : ८-५-१९८८

मोहर ३

प्रारूप शाई० टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 8 मई 1978
निर्देश सं० एसी३/एसीश्य०-आर-IV/कल/78-79—अतः
मुझे पी० पी० सिंह
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 15 है तथा जो काशिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-9-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से कुई किसी आय की वाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की
उपषारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती चम्पा गौर आजमेरा (अन्तरक)
2. श्रीमती लिलम भेहता, सभिता भेतानी द्रोपति देवी (अन्तरिती)

Sl. No. Name

1. Mohd. Sebhan
2. Mohd. Elias
3. Jyoti Electroplating
4. Shree Pal Singh
5. Raj Bali Yadav
6. Mullick Industries
7. Rubber Roller Print & Industrial
8. Kedco
9. P. D. Industries
10. Shyam Sunder Rathi
11. Micro Filters
12. Rubber Rollers Printing & Industrial
13. Bajrangbali Agency
14. Ram Suchet Singh
15. K. C. Jain

16. R. K. Singh
17. Radhe Shyam Goenka
18. Shyam Sunder Rathi
19. Sushila Devi Goenka
20. Kusum Art Print
21. Mohd. Elias
22. Balkishan Rathi
23. Shyam Sunder Rathi
24. Goverdhan Das Rathi
25. India Paper Pulp
26. Ply Plastic Industries
27. Amar Singh
28. K. L. Pandey
29. M. P. Singh
30. Budhraj Rathi
31. Mahesh Plastic Industries
32. Shyam Sunder Rathi
33. Sett & De
34. Sadhana Industries
35. Cossipore Industries
36. Jubilee Plastic
37. Ramkrishna Murthy
38. V. K. Agarwal
39. B. D. Aurora
40. Ravi Shankar Acharya
41. Rampal Singh
42. Kishanlal Singh
43. Cossipore Industries
44. Meera Devi Shah
45. Madan Lal Shah
46. Shib Shankar Ray
47. Rajinder Prasad Singh
48. Surinder Prasad Singh
49. Balkishan Agarwala
50. T. N. Trivedi
51. N. K. Trivedi
52. K. L. Pandey & Ors.
53. R. L. Dave

3. यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 बिधा 12 कट्टा 9 छटांक 33 स्को: फुट जमीन
साथ उसपर बनाया 3 तला मकान और आउट हाउस का 1/5
हिस्सा जो 15 काशिपुर रोड, कलकत्ता, थाना चितपुर पर
अवस्थित।

पी० पी० सिंह,
सम्पत्ति प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 8-5-1978

मौहर :

प्रस्तुत वार्षिक टी० एन० एस०--
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269वा (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता
 कलकत्ता, दिनांक 8 मई 1978

निर्देश सं० एसी 4/एसीपू आर-IV/कल/78-79—अतः मुझे
 पी० पी० सिह
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के
 अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
 से अधिक है
 और जिसकी सं० 15 है तथा जो काशिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित
 है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-9-77
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक
 है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
 बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम
 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
 या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
 जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
 द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
 था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269 वा के अनुसरण में,
 और उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन,
 निम्नलिखित अधिकारियों, अधिकारित :

- 1. श्रीमती चम्पा गौरी आजमेरा (अन्तरक)
- 2. श्रीमती लिलम महेता, सभिता मोतानी प्रमिला
 आगरवाल (अन्तरिती)

Sl. No. Name

- 1. Mohd. Sebhan
- 2. Mohd. Elias
- 3. Jyoti Electroplating
- 4. Shree Pal Singh
- 5. Raj Bali Yadav
- 6. Mullick Industries
- 7. Rubber Roller Print & Industrial
- 8. Kedco
- 9. P. D. Industries
- 10. Shyam Sunder Rathi
- 11. Micro Filters
- 12. Rubber Rollers Printing & Industrial
- 13. Bajrangbali Agency
- 14. Ram Suchet Singh
- 15. K. C. Jain

- 16. R. K. Singh
- 17. Radhe Shyam Goenka
- 18. Shyam Sunder Rathi
- 19. Sushila Devi Goenka
- 20. Kusum Art Print
- 21. Mohd. Elias
- 22. Balkishan Rathi
- 23. Shyam Sunder Rathi
- 24. Goverdhan Das Rathi
- 25. India Paper Pulp
- 26. Ply Plastic Industries
- 27. Amar Singh
- 28. K. L. Pandey
- 29. M. P. Singh
- 30. Budhraj Rathi
- 31. Mahesh Plastic Industries
- 32. Shyam Sunder Rathi
- 33. Sett & De
- 34. Sadhana Industries
- 35. Cossipore Industries
- 36. Jubilee Plastic
- 37. Ramkrishna Murthy
- 38. V. K. Agarwal
- 39. B. D. Aurora
- 40. Ravi Shankar Acharya
- 41. Rampal Singh
- 42. Kishanlal Singh
- 43. Cossipore Industries
- 44. Meera Devi Shah
- 45. Madan Lal Shah
- 46. Shib Shankar Ray
- 47. Rajinder Prasad Singh
- 48. Surindor Prasad Singh
- 49. Balkishan Agarwala
- 50. T. N. Trivedi
- 51. N. K. Trivedi
- 52. K. L. Pandey & Ors.
- 53. R. L. Dave

3. वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।
 को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तासम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की
 तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
 व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के प्रधायाय 20क में परिभा-
 षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में विद्या
 गया है।

अनुसूची

गरीब 1 बिधा 12 कट्टा 9 छटांक 33 स्केयर फुट जमीन
 साथ उस पर बनाया 3 तल्ला मकान और आउट हाउस मकान
 का 1/5 हिस्सा जो 15 काशिपुर रोड, कलकत्ता, थाना चितपुर
 पर अवस्थित।

पी० पी० सिह,
 सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-VI, कलकत्ता,

तारीख : 8-5-1978
 मोहर :

प्रकल्प पाई० टी० एन० एस०—

प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 मई 1978

निर्देश सं० एसी५/एसी५य० आर-IV/कल/78-79—अतः
मुझे पी० पी० सिंह

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो काण्डीपुर रोड, कलकत्ता स्थित है (और इसके उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-9-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्ति:—

1. श्रीमति चम्पा गोरि आजमेरा (अन्तरक)
2. श्रीमति लिलम मेहता सभिता मेतानी सुशीला देवी (अन्तरिती)

1. Mohd. Sebhan
2. Mohd. Elias
3. Jyoti Electroplating
4. Shree Pal Singh
5. Raj Bali Yadav
6. Mullick Industries
7. Rubber Roller Print & Industrial
8. Kedco
9. P. D. Industries
10. Shyam Sunder Rathi
11. Micro Filters
12. Rubber Rollers Printing & Industrial
13. Bajrangbali Agency
14. Ram Suchet Singh
15. K. C. Jain

16. R. K. Singh
17. Radhe Shyam Goenka
18. Shyam Sunder Rathi
19. Sushila Devi Goenka
20. Kusum Art Print
21. Mohd. Elias
22. Balkishan Rathi
23. Shyam Sunder Rathi
24. Goverdhan Das Rathi
25. India Paper Pulp
26. Ply Plastic Industries
27. Amar Singh
28. K. L. Pandey
29. M. P. Singh
30. Budhraj Rathi
31. Mahesh Plastic Industries
32. Shyam Sunder Rathi
33. Sett & De
34. Sadhana Industries
35. Cossipore Industries
36. Jubilee Plastic
37. Ramkrishna Murthy
38. V. K. Agarwal
39. B. D. Aurora
40. Ravi Shankar Acharya
41. Rampal Singh
42. Kishanlal Singh
43. Cossipore Industries
44. Meera Devi Shah
45. Madan Lal Shah
46. Shih Shankar Ray
47. Rajinder Prasad Gupta
48. Surinder Prasad Singh
49. Balkishan Agarwala
50. T. N. Trivedi
51. N. K. Trivedi
52. K. L. Pandey & Ors.
53. R. L. Dave

3. वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वींधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 विधा 12 कट्टा 9 छटांक 33 स्के० फुट जमीन साथ उसपर बनाया तिनतल्ला मकान और आउट हाउस मकान का 1/5 हिस्सा जो 15, काण्डीपुर रोड, कलकत्ता, याना चित्पुर पर अवस्थित।

पी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 8-5-78
मोहर :

प्रस्तुप धाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनोंक 8 मई 1978

निर्देश सं० एसी६/एसीक्य७ आर-IV/कल/78-79—अतः
मुझे पी० पी० सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो काशिपुर रोड कलकत्ता में स्थित
है (और इसके उपावद अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-9-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्राप्तशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के
लिए तथा पाया आयकर प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में मेरे, उक्त अधिनियम की घारा 269प की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति चम्पा गौरी आजमेरा (अन्तरक)
2. श्रीमति लिलम मेहता, सभिता मातोनी रीता आगरवाल, (अन्तरिती)
1. Mohd. Sebhan
2. Mohd. Elias
3. Jyoti Electroplating
4. Shree Pal Singh
5. Raj Bali Yadav
6. Mulliek Industries
7. Rubber Roller Print & Industrial
8. Kedco
9. P. D. Industries
10. Shyam Sunder Rathi
11. Micro Filters
12. Rubber Rollers Printing & Industrial
13. Bajrangbali Agency
14. Ram Suchet Singh
15. K. C. Jain

16. R. K. Singh
17. Radhe Shyam Goenka
18. Shyam Sunder Rathi
19. Sushila Devi Goenka
20. Kusum Art Print
21. Mohd. Elias
22. Balkishan Rathi
23. Shyam Sunder Rathi
24. Goverdhan Das Rathi
25. India Paper Pulp
26. Ply Plastic Industries
27. Amar Singh
28. K. L. Pandey
29. M. P. Singh
30. Budhraj Rathi
31. Mahesh Plastic Industries
32. Shyam Sunder Rathi
33. Sett & De
34. Sadhana Industries
35. Cossipore Industries
36. Jubilee Plastic
37. Ramkrishna Murthy
38. V. K. Agarwal
39. B. D. Aurora
40. Ravi Shankar Acharya
41. Rampal Singh
42. Kishanlal Singh
43. Cossipore Industries
44. Meera Devi Shah
45. Madan Lal Shah
46. Shib Shankar Ray
47. Rajinder Prasad Gupta
48. Surinder Prasad Singh
49. Balkishan Agarwala
50. T. N. Trivedi
51. N. K. Trivedi
52. K. L. Pandey & Ors.
53. R. L. Dave

3. वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुकूली

करीब 1 बिंधा 12 कट्टा 9 छटांक 33 स्केयर फुट जमीन साथ उस पर बनाया तिनतला मकान और आउट हाउस मकान का 1/5 हिस्सा जो 15, काशिपुर रोड, कलकत्ता, याना चित्पुर पर अवस्थित।

पी० पी० सिह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 8-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री सुसोदन बर्मन (अन्तरक)

2. श्री श्यामल मित्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० एसी-7/अर्जन रेंज-IV/कल०/78-79—अतः,
मुझे, पी० पी० सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 20-बी है तथा जो स्टेशन रोड, कलकत्ता-31
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
28-9-1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उसमें ब्रवरे में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी ब्रन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम या बनन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

11 कट्टा 4 छटाक जमीन तथा उसपर स्थित अंशत दो मंजिला,
अंशत तिन मंजिला मकान, जो सब के अधिभासित 1/5 हिस्सा,
पता : 20 बि०, स्टेशन रोड, थाना-कसबा सठर, कलकत्ता-31
जैसे के दलील सं० 4490, सन् 1977 में पूर्णरूप से बर्णित है ।

पी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 15-5-1978

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० एसि-8/अर्जन रेंज-IV/कल०/78-79—अतः,
मुझे, पी० पी० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 20-वी है तथा जो स्टेशन रोड, कलकत्ता-31 में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

28-9-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्पत्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. (1) श्रीमती कनक बर्मन, (2) प्रदीप बर्मन, (3) शंकर बर्मन, (4) श्यामल बर्मन (नाबालक), (5) सपन बर्मन तथा (6) नन्दिता बर्मन (नाबालिका) (अन्तरक)

2. श्यामल मित्र तथा चन्द्रल मित्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

20 वी, स्टेशन रोड, याना-कसवा सढ़े, कलकत्ता-31 का 11 कट्टा 4 छटाक जमीन तथा उस पर अंशत दो मंजिला, अंशत तिन मंजिला मकान, ये सब कुछ के अविभाजित 1/5 हिस्सा जैसा कि दलील सं० 4489 सन 1977 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 15-5-1978

मोहर :

प्रस्तुत प्राइवी ट्रॉड एन० १५८०—

1. श्री सुजीत कुमार बर्मन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री चन्द्रल मित्र (अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, विनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० एसी-९/अर्जन रेज-IV/कल०/७८-७९—अतः, मुझे,
जी० पी० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 20-वी है तथा जो स्टेशन रोड, कलकत्ता-३१ में
स्थित है (और इसके उपावद अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का १६) के अधीन 28-९-१९७७
को प्रतीक्षित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रतीक्षित सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
फिया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई निमों आय की वापत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यरण के
शायदी में कमी करने या उससे बचने में पुरिष्ठा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रत्य ग्राहितियों
को, जिन्हें आ॒ यायकर अधिनियम, 1922
(1922 का १ गा उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का २७) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करने पूर्वी सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई प्रो आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

20 वी, स्टेशन रोड, थाना-कसबा सदर, कलकत्ता-३१ का
११ कट्टा ४ छटाक जमीन तथा उस पर स्थित अंशत दो मंजिला
अंशता तिन मंजिला मकान, ये सभ कुछ का अविभाजित १/५
हिस्सा, जैसा कि दलील सं० ४४८८, सन १९७७ में और पूर्ण
रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिंह,
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता-१ ६

तारीख : 15-६-१९७८

मोहर :

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपकारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० एसी-10/अर्जन रेज-IV/कल०/78-79—अतः,
मुझे पी० पी० सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की शारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 20-बी है तथा जो स्टेशन रोड कलकत्ता-31 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908¹ (1908 का 16) के अधीन 28-9-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में रुखिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्त, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की शारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की शारा 269व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् 1—

1. श्री अरुण कुमार वर्मन
2. चन्द्रल मित्र

(अन्तरक)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्राप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

20 बी, स्टेशन रोड, थाना-कसबा सदर, कलकत्ता-31 का 11 कट्टा 4 छटाक जमीन तथा उसपर स्थित अंशत दो मजिला अंशत तिन मजिला मकान का अविभाजित 1/5 हिस्सा जैसा की दलील सं० 4487 सन 1977 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 15-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

1. विवेकानन्द बनर्जी

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री रविलाल पटेल तथा हंसराज पटेल (ग्रन्तरिती)

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 16 मई 1978

निर्देश पं० एसो-12/प्रजन्त-रेंज-IV/कल०/78-79--अतः मुझे
पी० पी० सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वाहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से प्रधिक है।और जिसकी सं० 74 है तथा जो गाँगुली बागान लेन, श्री रामपुर,
हुगली में स्थित है (और इसके ऊपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुर में,
रजिस्ट्रीरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 12-9-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती
(ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) प्रतिफल में दूर्वा किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में रक्षी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य पास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या घनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपरांता (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रहणतः:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियों करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

74, गाँगुली बागान लेन, याना श्रीरामपुर, हुगली का 4
फट्टा 2 छटांक जमीन तथा उस पर स्थित दो मंजिला भकान का
सब कुछ।पी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्तरिती, कलकत्ता

तारीख : 16-5-1978

मोहर :

प्रारूप भाई० टी० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मई 1978

निवेश सं० अ०ई० 3/एपी 276/77-78—अतः मुझे,
जी० ए० जेम्स,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 11, एच० नं० 11, 14, 15ए, 15बी,
और 15सी हैं तथा जो आद्याणवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 3-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रतिरक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रसिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिरक्त निष्क्रिय में वास्तविक रूप से रुपित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से द्वाई किसी आय को बाष्पत, उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मैसर्स, बोलगा होटलस प्रा० लि०, 1 सी० क्सार्क रोड,
महालक्ष्मी, बम्बई (अन्तरक)
2. मैसर्स, इंडियन होटलस कं० लि०, ताजमहल होटल,
छत्तपति शिवाजी मार्ग, बम्बई-400039 (अन्तरिती)
3. मैसर्स इंडियन होटलस कं० लि०, ताजमहल होटल,
छत्तपति शिवाजी मार्ग, बम्बई-400039
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति में है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी साम्रेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताभारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

काष्ठी की खाली जमीन का पुख्ता प्लांट या टुकड़े अथवा
भाग, जय अंधेरी तालुका के आद्याणवाडा गांव में है और जिनके
नवम्बर नीचे लिखे हैं :—

| सर्वे नं० | हिस्सा नं० | सी० टी० एस० नं० | क्षेत्रफल | |
|--------------|------------|--------------------|-----------------------------|-------------------|
| | | | वर्ग गज (यानी वर्ग मीटर) | वर्ग गज वर्ग मीटर |
| 11 | 11 (भाग) | 93 | 549 | 459.01 |
| 11 | 11 (भाग) | 80 | 356 | 297.81 |
| 11 | 14 | 82 | 700 | 585.27 |
| 11 | 15ए (भाग) | 81 (भाग) | 160 | 133.77 |
| 11 | 15 बी | 81 (भाग) | 1452 | 1214.01 |
| 11 | 15 सी | 81 (भाग) | 786 | 657.17 |
| | | | 4003 | 3347.04 |
| | | | वर्ग गज | वर्ग मीटर |

और सर्वे नं० 10, हिस्सा नं० 5ए (भाग) व 7 (भाग), 240
वर्गगज (यानी 201 वर्ग मीटर) वाले 20 फौट औड़े रास्ते में
से अविभाजित आधा हिस्सा और सबको एक प्लांट में मिलाकर,
तथा यह बम्बई महानगर निगम द्वारा के-वाई नं० 5911(ए),
गली नं० —— एक्सप्रेस हाईवे, नेहरू रोड के पास है और
जो इस प्रकार घिरा हुआ है कि :—

उत्तर की ओर: सर्वे नं० 11, हिस्सा नं० 11 (भाग अ)
15 ए (भाग)

पूर्व की ओर: सर्वे नं० 10, हिस्सा नं० 1 (भाग), 5 (भाग)
7 (भाग)

पश्चिम की ओर: पश्चिम राजमार्ग (वैस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे)
दक्षिण की ओर: सर्वे नं० 10, हिस्सा नं० 4, और 20 फौट
का चौड़ा रास्ता ।

जी० ए० जेम्स
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन इलाका 3, बम्बई

दिनांक : 15-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज II बम्बई
बम्बई, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० अ० ६० 2/2507-3/सितम्बर, ७७—प्रतः
मझे जी० ए० जेम्स,

प्रायकर भवित्वम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भवित्वम्' कहा गया है), की द्वारा 269-का
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हुए से अधिक है

और जिसकी सं० पहले का सं० नं० 46 प्लाटनं० 2, कृषि सं० नं० 291 सोटी० सं० नं० ग्रच०/106 बान्धवांडा है तथा जो तिलक रोड मांताकुज (प०) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्तसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रान्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

(क) अन्तरग से कूर्हि किसी माय की बाबन, उस अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचनो में पुरिया के लिए; भौरपा

(ख) ऐमी किसी प्राप्य या किसी धन या पन्थ भास्तियों का, जिन्हें भारतीय भाष्य-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविकाले नियम;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रवृत्तरण में, मैं, उक्त प्रविनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1) के प्रभावीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तयाब ग्रली बन्दुलग्रली पारेख (अन्तरक)
 2. मैसर्स अरुण ओवरसीज कारपोरेशन के भागीदार,
श्री अमरचन्द जयनारायण अग्रवाल, श्री अरुण कुमार
जगद्वाप्त अग्रवाल, श्री राजकुमार कुमारस्मल अग्रवाल,
श्रीमती भनवरी देवी राधाकिशन अग्रवाल, (अन्तरिती)

१. इलैक्ट्रिक बस स्टेशन, बी एस ई एस
 २. श्रीमती जे०धर्मस्तर
 ३. निर्मल कुमार एंड योगेश जी० रंगाटे
 ४. गोरखमदास जे० दत्तानी
 ५. श्रीमती लिलाबेन छी० दोषी
 ६. श्रीमती काशीबाई के० चौरसिया
 ७. पनाजाई जी० रंगटे
 ८. जगदीश जे० पटेल
 ९. नवीन बी० चोताय
 १०. श्रीमती पुष्पाटेन जी० पंचाल
 ११. श्री गिरजाशंकर जे० भट्ट
 १२. श्रीमती बीना छी० शाह
 १३. श्री बनवारीलाल एच० शाराफ
 १४. श्रीमती इरुनडीछत रुस्तम मेवाराकाई
 १५. शाहू रतिलाल जयतराम
 १६. शाहू चंपकलाल सागर
 १७. नानालाल मंमलत मगिनलाल जैन
 १८. शोभालाल मारमलजी
 १९. भानजी नानजी शाह
 २०. पिटर डीसुजा
 २१. स्ल्यूम किकोकाराव भनइकार्य भषरकार्य एंड स्ल्यूम

3. वह अधिकारि जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है :
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संस्थान के मर्जन के सम्बन्ध में शोर्ट भी प्राप्त है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिको द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
भ्रष्टियम्, के भ्रष्टाय 20-के परिमाणित
है, वही भर्य होगा जो उस भ्रष्टाय में दिया
भया है।

अनुसंधी

कृषि-इतर जमीन या मैदान का वह समाम टुकड़ा या भाग,
उस पर खड़ी बाड़ी आवासों या निवार घरों या बंगला सहित,
जो सांताकूज, बम्बई उप नगर जिला और रजिस्ट्री उप जिला
बान्दा, बूहत बम्बई में मौजूद पड़ा हुआ है, माप में 1340 वर्ग
मीट्र यानी 1120.41 वर्ग मीटर के आस पास है। और आने के
कलटर के रिकार्ड में पहले के सर्वे नं० 46, प्लाट नं० 2 व कृषि-इतर
सर्वे नं० 291 के अधीन रजिस्टर है, अब जिला सिटी सर्वे नं० एच/
106 बान्दा डॉला और पहले सांताकूज नगर पालिका द्वारा
नं० 23 के अधीन व अब बम्बई नगरनिगम द्वारा एच बार्ड नं०
3716(1) व 3715(3) गली नं० 3, तिलक रोड,
सांताकूज, के अधीन निर्धारित (असेस) होता है और इस प्रकार
विचार हुआ है कि पूर्व में चैनीलाल तापछिया की जायदाद, पश्चिम
में तैयब श्रीली श्रब्दुल श्रीली पारिख की जायदाद उपरोक्त जमीन व
तैयब श्रीली श्रब्दुल श्रीली पारिख की जमीन के बीच में साझे की दीवार
सहित, उत्तर में गुलमुखराम सुन्नानंद की जायदाद और दक्षिण
में एक सार्वजनिक सड़क जो तिलक भार्ग कहलाती है, सांताकूज
रेलवे स्टेशन की ओर जाती है।

बी० ए० जेम्स,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्राधिकर आयुष्ट (निरीक्षण)
प्रकृत रेज-२ अमृत

तारीख : 15-5-78
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के भव्यान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 23 मई 1978

निदेश सं० III/269/अर्जन/78-79/186—अतः मुझे ज्योतिन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के भव्यान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हो० 31-बी है, तथा जो पटना शहर में स्थित है (और इससे उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुसरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के भव्यान कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती आभा मुखर्जी, पत्नी विंग कमांडर ए० बी० मुखर्जी, महल्ला फेजर रोड, याना कोतवाली, पटना टाउन पटना, (2) श्रीमती रानीवाला देवी पत्नी स्व० श्री अवनी भूषण मुखर्जी, (3) श्री अमीत भूषण (4) श्री तारा भूषण मुखर्जी दोनों लड़के हैं स्व० श्री अवनी भूषण मुखर्जी उपरोक्त नं० 2, 3, 4 का पता मो० सिन्हा लाइब्रेरी रोड (फेजरोड) पटना टाउन जिला पटना । (अन्तरक)

2. (1) श्री श्रीनरायण खेतान, वल्द श्री सिताराम खेतान वकील (2) श्रीमती अनुसुया देवी खेतान, दोनों का महल्ला चौक बाजार भुंगेर। (अन्तरिती)

4. हाल निकाम एकजीवीशन रोड, पटना टाउन जिला: पटना ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियां करता हू०

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिचालित है, यही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का रक्वा: 7कट्टा 3धूर, 15धूरकी साथ में एक तल्ला पक्का मकान जो सिन्हा लाइब्रेरी रोड (फेजर रोड) स्थित है । जिसका हो० 31बी, सर्कल नं० 6, वार्ड नं० 2, सिट नं० 21प्लॉट नं० 53 पटना सदर का है जो दस्तावेज सं० 3513 दिनांक 7-9-77 में पूर्णतः वर्णित है ।

ज्योतिन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना
तारीख : 23-5-1978
मोहर :

प्रश्न प्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 अप्रैल 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एकवी/भोपाल/78-79/982—
अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है, तथा जो खालियर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खालियर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-9-1978

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विद्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) लक्ष्मण दास (2) श्री उमेश कुमार दोनों निवासी गांधी रोड़, मुरार, खालियर (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सुलोचना पत्नी श्री अरुण कुमार (2) श्री अर्जय कुमार पुत्र श्री के० सी० कपूर (3) श्रीमती कोमिला रानी पाले श्री के० सी० कपूर सभी निवासी जयन्द रेंज, खालियर (अन्तरिती)

को यह सूचना आरों करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक न समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षितार्थी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

एवटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रथम होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

प्रबन्धनी

मकान की सम्पत्ति स्थित गांधी रोड़ मुरार, खालियर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 26-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 अप्रैल 1978
निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/78-79/983—ग्रतः
मुहूर रा० कु० बाली
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 10-9-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाजत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को त्रिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी अवाहन:—

1. श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री संतराम दास निवासी सिधी
कालोनी, भोपाल (अन्तरक)

2. पुष्पा बाई पर्सी श्री प्रताप राय निवासी 57, पुरानी
सिधी कालोनी, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

प्रथम तल मकान प्लाट नं० 107 स्थित कुंजी लाल बाग,
बैरसिया रोड़, भोपाल ।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज भोपाल

तारीख : 26-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई०टो० एन० एप०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 अप्रैल 1978

निकेश सं० आई०ए०सी०एन्डी०/भोपाल/78-79/984--शतः
मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 26-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तातु:—

5-106GI/78

1. श्री राम कौशल पुत्र श्री श्याम सुन्दर दास निवासी 47, श्रीनगर इन्दौर (अन्तरक)

2. श्रीमती सुखबत कौर गिल पत्नी श्री हरभजन सिंह निवासी 47, श्री नगर कालोनी, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधन के लिये कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्थानकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 57, स्थित श्री नगर कालोनी, इन्दौर।

रा० कु० बाली,
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 26-4-1978

मोहर :

प्रसूप आई•टी•एन•एस•--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
268-प्र (1) के अधीन सुनवा

मार्ख सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

श्रीराजन खोला, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 अप्रैल 1978 .

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्ट्री(भोपाल) / 78-79/985--
अतः मुझे रा० कु० बाली,

आयकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंथिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ओर इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से भविष्यत है और अस्तरक (अन्तरितों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में प्राप्तविहृ रूप में कवित नहीं किया था है :—

(क) प्रन्तरण से क्षुई किसी आप की बाधत उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्में, भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रति अरब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार वे में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तिः—

1. श्री भागीरथ पुत्र श्री मोहन लाल शर्मा निवासी ६,
रेस कोसेर रोड, इन्दौर (अन्तरक)
 2. (१) श्री नारायण (२) श्री लाल चन्द्र (३) श्री राम
चन्द्र (४) श्री लक्ष्मण सभी पुत्र श्री द्वंड्यमल निवासी
२४, आलापुरा, बैराठी कालोती के पास, इन्दौर
(अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पुत्रोंका सम्मति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उच्च सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्दोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्स्टीफरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसृती

मकान नं० 24, आलापुरा बैराठी कालोनी के पास,
इस्ट्डॉर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी
युक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज़, भोपाल

तारीख : 26-4-1978

मीहर ३

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकर

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 अप्रैल 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/986—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उत्तरदृश्यमान सूची में और पूर्ण रूप से विविहित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के द्वायालिय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाकत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनोहर पुन्न श्री श्रीधर देव निवासी मयूर को० आ० हाऊसिंग सोसायटी, कालेज लाइन पुर्वगीज चर्च के सामने दादर बांधे (अन्तरक)
2. श्रीमती सुमन बाई पत्नी श्री श्याम सुन्दर माही निवासी 8/2, गौतमपुरा, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितियों में से किसी अक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उद्धोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1-ए, स्ट्रीट नं० 2, स्थित जेल रोड, इन्दौर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 26-4-1978

मोहर :

प्राप्त पाईदौ टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अप्रैल 1978

निदेश सं० आर० ए० सी० एक्टी/भोपाल/78-79/987—

अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ₹ से प्रधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो खण्डवा में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय खण्डवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बावजूद उक्त विधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ऐसे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती लीलाबाई पत्नी श्री यशवंतराव शौले
(2) श्री अरविंद (3) कृपाशौले (4) श्रीमती विजया
शौले (5) श्री दिलीप (6) श्रीमती किरण सभी पुत्र
व पुत्री श्री यशवंतराव शौले निवासी क्ष्या० नं० 647
एम० सी० सैक्टर गोविंदपुरी, भोपाल (अन्तरक)

2. (1) श्री गोविंद प्रसाद (2) श्री राम चन्द्र जी दोनों
पुत्र श्री गणू लाल जी सोनी निवासी 38, वार्ड नं० 18,
रामकृष्ण मंडपोर्झ मार्ग, खंडवा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविन्द द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ठाई मंजिला मकान नं० 38, अलाक नं० 38 प्लाट नं० 75, वार्ड नं० 18 खंडवा।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-4-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर
नागपुर, दिनांक 3 अप्रैल 1978

निवेद क्र० आय०ए०सी०/अर्जन/60/78-79—ग्रन्तः
मुझे एच० सी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 36-1 का भाग, शिट नं० 34 है तथा
जो भंडारा में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भंडारा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 12-८-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने
में सुविधा के लिए;

प्रता श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अधीतः—

1. श्री प्रभाकर जयवंशतराव जकातदार श्रुप कैप्टन, ए-3,
फोर्थ लेन, एच० ए० एल० टाउन शिप, जी० टी० रोड,
कानपुर
(अन्तरक)

2. श्रीमति श्रायश बेगम ज० अब्दुलमजीद खां, शाहेदनासीम
खां व: मेहबूब अलिखां रहने वाले भंडारा, वार्ड अन्सारी
भंडारा।
(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 36-1 का भाग, शिट नं० 34, पर बिल्डिंग, टंडन
वार्ड, भंडारा।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3 अप्रैल 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—--

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 11 अप्रैल, 1978

निर्देश क्र० आय० ए० सी०/अर्जन/65/78-79—यतः
मुझे, ह० च० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० दो मंजली मकान म्य०० नं० 5-22-30 है, तथा जो पैठन गेट, औरंगाबाद में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकूत अधिकारी के कार्यालय औरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1 सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लेखराज बेरुमल तनवामी, औरंगाबाद (अन्तरक)
2. सौ० अल्काबाई ज० कान्तीलाल मुथयानी, औरंगाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजली मकान, म्युनिसिपल नं० 5-22-30/1 स्थित पेठन गेट, औरंगाबाद ।

ह० च० श्रीवास्तव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 11-4-1978

मुहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, विक्रोक 26 मई, 1978

निर्देश सं० ए-181/JKT/78-79/1948-51—आयकर मुद्रा
एगवर्ट सिंग
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 5302 (नई) और पि० पि० सं० 3 (नई)
है तथा जो जोरहाट आसाम में स्थित है और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय गौहाटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16 के अधीन तारीख 25-10-77
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अरुना बेजबर्वा, रामकमल बेजबर्वा की पत्नी
सचिवालय, दिसपुर गौहाटी
(अन्तरक)
2. (1) श्री दाकतर तरुनेश्वर शर्मा
(2) श्री अमरेश्वर शर्मा, जोरहाट
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी याक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्नाभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त,
अधिनियम' के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अहमाप दे
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाप एक बिधा, एक काता बारह लेचा उसके
साथ में एक आसाम टाईप मकान परिमाप प्रांय 4.335 वर्ग फुट
जो कि जोरहाट सहर सिवसागर जिला, आसाम प्रदेश में स्थित
है।

एगवर्ट सिह,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 26-5-78
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रयोग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 10 मई 1978

निर्देश सं० सीआर 62/13131/78-79/एसीक्यू/बी—यह:
मुझे जै० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 19(एफ-76) 26.1 पक्षा-2 है, तथा जो पापेया लेन, दोहुमावली, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भी यह सूचित है), रजिस्ट्रीकेशन अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्हें प्रतिशत लिखित में वास्तविक हा से कषित नहीं किया गया है:-

(a) अन्तरण से ही किसी प्राय की वाष्ठत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायदी में कमी करने या उससे बचने में सहाया के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी प्राय या किसी व्यवस्था या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावंश अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था तथा जारा नाहिए था, उपराने में सुचिता के लिए;

प्रतः वह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की अपेक्षा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति—

1. रत्नममा पर्णी मुनिकेंट गोडा, 196, 7 मैन रोड,
4 ब्लॉक, जयनगर, बैंगलूर। (अन्तरक)

2. श्री के० टी० विश्वानाथ पुत्र के एस० तिम्मराजव्यापार, 413, प्रविन्यू रोड ओस, बैंगलूर अर्थवा 2 पापेयालेन, दोहुमावली, बैंगलूर-560004।

(अन्तरिती)

3. (1) रो० श्रीनिवास मूरती (GT)

(2) के० नारायणप्पा (GT)

(3) रो० गोपालकृष्ण (FF) (वह अवित्त जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति वे हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1299/77-78 तारीख 22-9-77] 19,
(एफ-76) 2 बी-1, औरनवा 2, पापेया लेन, दोहुमावली
बैंगलूर

बांधः पू० : नागराज राव

प० : रुक्मिनियम्मा

उ० : बी० एल० बैरसा

द० : पापेया लेन

जै० एस० राव

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-5-78

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1978

निर्देश नं० ग्रन्जन/796/अलीगढ़/77-78/7480—ग्रन्ति: मुझे
आर० पी० भार्गव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं.....है तथा जो.....में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-9-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रन्ति: ग्रन्ति, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की
उपबाहा (1) के प्रधीन निम्ननिर्दित अक्षितयों, अर्थात्:—

1. श्री सी० वी० डागूर पुत्र गोविन्द सिंह निं० मैरिस रोड़
अलीगढ़ जनरल अटार्नी श्रीमती विजय कुमारी देवी
(श्रीमती विजय कुमारी डागूर) स्त्री सी० वी० डागूर
वर्तमान पता 5, हरीराम फ्लैट पंचवटी द्वासरी गली
अम्बाबाड़ी, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. राजेन्द्र सिंह पुत्र हररंवरूप श्रीमती कुमुद स्त्री राजेन्द्र
सिंह कासिमपुर पावरहाउस, अलीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके द्वारा सम्पत्ति के ग्रन्ति के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के ग्रन्ति के संबंध में कोई भी आकैपः —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में कियं जा सकेंगे।

स्वरूपीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुभूष्मी

ग्रन्ति सम्पत्ति दो मंजिली इमारत नं० 3/136 स्थित जनक-
पुरी, मैरिस रोड़ जिला अलीगढ़ जो कि रु० 140,000 में बैंकी गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 30-1-78

मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मई, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 41/78-79—अतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० पोरशन नं० 5-9-301 है, जो गनपौड़ी में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-9-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जायबुशीसा वकील पति एन० ए० वकील घर नं० 5-3-960/2 पैशंगलेन नेजामशाही रास्ता हैदराबाद। (अन्तरक)

2. मास्टर इन्दर जीत सिंह (2) मास्टर मोहन सिंह (3) बाबू इनतमाम के बीगरा नीकार पिता श्री सरदार राय सिंह 15-6-452 बैगम बाजार हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-9-301 जिसका बाग है धेरध रास्ता धर्मफेन्ह हैदराबाद वीस्तर्न 341 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2516/77 जैनट रजिस्ट्रार हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट
सभग प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मई, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 42/78-79—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बाग 5-9-301 है, जो चर्च रास्ता गनपौनड्हरी
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 13-9-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिक्ष हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधिकृत :—

1. मैसर्स जायेबुनीसा मेसर्ज वकील पती एन० ए० वकील
घर नं० 5-3-960/2 नैजामशाही रास्ता हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह पिता सरदार राम सिंह घर नं० 15-6-
452 बेगम बाजार हैदराबाद।
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रत्यक्षी

घर नं० 5-9-301 का बोधाग है जो चर्च रास्ता गनपौनड्हरी
हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावज नं० 2515/77 ज्वाइन्ट
रजिस्ट्रार हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-5-1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मई, 1978

आर० ए० सी० नं० 43/78-79—अतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 15-1-503/ए/34 है, जो सीडीओमबर बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरंग म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अंकितयों, प्रष्टि:—

1. श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल पिता मंगतराम धर नं० 15-1-560 सीडीयेमबर बाजार हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. कुमारी शोबा बाई पिता सत्यनारायना 15-1-551 सीडीयेमबर बाजार हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अंकितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अंकितयों में से किसी अंकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अंकित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का सता पर की मलगी नं० 15-1-503/ए/34, अशोकमार्किट सीडीयेमबर बाजार हैदराबाद दस्तावेज नं० 723/77 उप रजिस्ट्रार हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12 मई 1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मई 1978

स० आर० ए० सी० न० 44/78-79—यतः मुझे क० एस०

वेंकट रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लाट न० 8 है, तथा जो आनन्द हिमायत नगर
में स्थित है (और इससे उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

28-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फटह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गया प्रतिफल
मिळनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
मोर्चा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रम, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के प्रनुसरण में,
में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० सुर्यनारायण मूर्ती घर न० 5-9-194
धीरागली लेन हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्री डपीडीलस एजुकेशनल सोसाइटी स्थियसी फेरपी
अमीना इसका अदी पतों है 3-6-164 हैदरगुदा हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
रायवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रावेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य अवक्त द्वारा, अधोहस्तान्त्री के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम
के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
तांग, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन वस्ती 470-20 वर्ग यार्ड है प्लाट न० 8 आनन्द
लेआउट वार्ड न० 3 ब्लाक न० 6 हिमायत नगर हैदराबाद रजिस्ट्री
दस्तावेज न० 2679/77 उचाइन्ट सब रजिस्ट्रार हैदराबाद में।

क० एस० वेंकट रामन,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12-5-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मई 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 45/78-79—यतः मुझे, के० एस०
बैंकट रामन,

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3-4-13 है, जो महानकाली गली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भी (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम्य लो बाजार, उक्त सम्पत्ति के अधीन कार देने के अन्तरक के द्वायित्व में करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम्य या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया था उद्देश्य से, उक्त अन्तरण लिखत में सुविधा के लिए;

अतः ग्राम्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात् :—

1. राधाकिशन जावीर पिता हरीदास 366-टी० एस० रास्ता तानडीयापेट मद्रास (अन्तरक)
2. श्रीमती बनमाला भुलशायी पति स्वर्गीय वी० वैनकटम घर नं० 4-2-263 महानकाली गली सिकन्द्राबाद (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी ग्राम्यकर :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाले से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला घर नं० 3-4-13 महानकाली गली सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1504/77 उप रजिस्ट्रार सिकन्द्राबाद में।

के० एस बैंकट रामन;
सक्रम अधिकारी
सहायक ग्राम्यकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मई 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 46/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 2-3-15 है, जो न० जा० रास्ता सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों, जो जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आप-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-वा की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अस्ति :—

1. (1) के० एस० शरणदीन (2) के० एम० पकरोदीन
(3) के० एम० मोहीनोदीन (4) के० प्रम० कुतबोदीन
57-एम० जी० रास्ता सिकन्द्राबाद। (अन्तरक)
2. मैसर्स जब्बार रियल इस्टेट 54-नलागुहा सिकन्द्राबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्वत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिकारी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे :

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन नं० 57 (नया नं० 2-3-15) महात्मा गान्धी रास्ता सिकन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1628/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के०एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० 3979/सितम्बर/77—यतः मुझे, के० पोष्पन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सम्प्रभाव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी सं० मद्रास, अम्बतूर, वरनराजपुरम, वेंकटरामानजुलु स्ट्रीट में श्री रंगा टाकिस, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बतूर 'डाकुमेण्ट 785/77' में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्या पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनावैय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवियों, अर्थात् :—

- 1.(1) अपरन्जि अम्माल;
- (2) एस० आर० गोपालकृष्णन;
- (3) एस० जी० रानाकृष्णन;
- (4) एस० आर० मुतुकृष्णन;
- (5) एस० एम० विजयकुमार (मैनर);
- (6) एस० एम० उदयकुमार; (मैनर);
- (7) एस० आर० जनार्तनम;
- (8) एस० आर० लक्ष्मिपति;
- (9) एस० आर० हरिहरन;
- (10) आर० सरोजा;
- (11) पी० प्रेमावति; और
- (12) एस० जे० रमेश

(अन्तरक)

2. श्री एस० मारियम्म नाडार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्त्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, अम्बतूर; वरनराजपुरम, वेंकटरामानजुलु, स्ट्रीट, सर्व सं० 195/3 के-1 में "श्री रंगा टाकिस" (17150 स्क्युर फीट।

के० पोष्पन,
सम्प्रभाव प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज II, मद्रास

तारीख : 15-5-78

मोहर :

प्रस्तुत प्राइंटी ० एम० एस०—

ग्रामकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज II मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० 3990/सितम्बर/77—यतः मुझे, के० पोषन ग्रामकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 59, टी० एस० आर० बीघ स्ट्रीट, कुम्भकोनम में स्थित है (और इससे उपानग अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय, कुम्भकोनम (डाकुमेण्ट 1520/77) में रजिस्ट्रीकरण ग्रंथिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-9-77 पूर्वोक्त संपत्ति के ऊपर बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रंथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर ग्रंथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंथिनियम, या अन्तकर ग्रंथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, लिपाने में सुविधा के लिए;

बल: ग्रंथ, उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269-वा के अनुसार में, मैं, उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269-वा की उपव्याप्ति (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्दातः:—

7-106GT/78

1. श्रीमती आर० कमला (अन्तरक)

2. (1) श्री जिर्दीस, (2) इस्तियाज, (3) मोहम्मद फैयाज, (4) मोहम्मद प्रनास, (5) मोहम्मद रियाज और (6) भोहम्मद फैजाल (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्युक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रंथिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्भकोनम, टी० एस० आर० बीघ स्ट्रीट, डोर सं० 59 में 2835 स्क्युयर फीट (भकान के साथ)।

के० पोषन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास-6

तारीख : 15-5-58

मोहर।

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस० ——

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मामूल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० 3992/सितम्बर/77—यतः मुझे के० पोन्नन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० डोर सं० 39, 39ए, 39बी, 39सी, 39डी,
39ई, 39एफ, 39जी 39एच, 39आई और 39 जे एलै अम्मन
कोपिल स्ट्रीट, तंजाऊर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जे० एस० आर० तंजाऊर (डाकुमेण्ट 2593/77) में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 3-9-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तारक के बायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनने कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः, यद्यपि, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में,
जेवर प्रधिनियम, की धारा 269ग की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अनुसूची :—

1. (1) एम० एम० जकिरय;
- (2) एम० एम० हस्ताहीम;
- (3) टी० इमीस ;
- (4) टी० नयाज़;
- (5) टी० शेहनाज़;
- (6) हनिबा;
- (7) जुलैका बीवि ।

(अन्तरक)

2. श्री ए० अब्दुल रोयक; श्री ए० मोहमद कुतुबुदीन;
श्री ए० अब्दुल रसीद; श्री ए० अब्दुल जबार;
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तक्षबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोष्टस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रत्यक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तंजाऊर, एल्लैअम्मन कोपिल स्ट्रीट, टी० एस० ए० सं०
2319, 2312 और 2316, डोर सं० 39, 39ए, 39बी,
39सी, 39 डी, 39ई, 39एफ, 39जी, 39एच, 39आई, और
39जे में भूमि और मकान । (7306 स्केयर फीट)

के० पोन्नन,

सक्षम प्राप्तिकारी

सहायक आयकर मामूल (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-5-78

मोहर :

प्रह्लप माई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 15 मई 1978

निवेश सं० 3993/सितम्बर/77—यतः मुझे के० पोन्नन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सभी प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
न अधिक है

और जिसकी सं० कर्लर, लश्मनारायण समुद्रम गांव, टी० एस०
सं० 334/5 और 334/6 (12317 स्क्युयर फीट) में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कर्लर वेस्ट (डाकुमेण्ट
2799/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 6-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घयमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि प्रधानपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दूर्घयमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और प्रतिरक्त (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) प्रस्तरण में हुई किसी ग्राह की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी ग्राह या जिसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रदान नहीं किया गया था या किया
जाना आविष्ये था, छिपाने में विविध के लिए;

1. श्री पी० मुतुसामि

(अन्तरक)

2. श्री एम० करुण रेड्डीयार और एम० वैरपेरमाल रेड्डीयार
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

उल्लेखन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही प्रबंध होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कर्लर, लश्मनारायण समुद्रम गांव में 12317 स्क्युयर फीट
(भूमि और मकान) (टी० एस० सं० 334/5 और 334/6)
(डाकुमेण्ट 2799/77)।

के० पोन्नन,
सभी प्राविकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 15-5-78

मोहर :

उत्त: ग्रन्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम ने धारा 233-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्ररूप शाई० टी० एस० एस०—
 ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक्षत (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० 8002/सितम्बर/77—यतः मुझे के० पोषन ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4 सी० वाँ सं० 4, टी० एस० सं० 3068, राजप्पा नगर, तम्माऊर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० तम्माऊर (डकुमेण्ट 284, आय सं० 97) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपक्षारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्ति :—

1. श्री डी० ए० दुरैराज (प्रत्तरक)

2. श्रीमती वसन्ति अनन्तकुमार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

विष्टोकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों मोर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

तम्माऊर, राजप्पा नगर, टी० एस० सं० 3068, वाँ सं० 4, प्लाट सं० 4-सी०, में 6180 स्क्यूयर फीट (मकान के साथ)।

के० पोषन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक्षत (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-5-78

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 15 मई 1978

निर्देश सं० 8002/सितम्बर/77—यतः मुझे के० पोशन ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तन्जाऊर, ईस्वरि नगर, ग्राम० एस० सं० 163/2 में भूमि और मकान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौम पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्राम०, तन्जाऊर (डाकुमेण्ट, 2884 ग्राई सं० 98) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-४-७७

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण नियिका में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विधा के लिए; और/या

(द) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्विधा के लिए;

प्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के ग्रन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए (1) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन:—

1. श्रीमती बसन्ति अनन्तकुमार (ग्रन्तरक)

2. श्री डॉ ए० दुर्राज (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हू० ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरमध्ये अधिकारी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही मर्ज होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तन्जाऊर, ईस्वरि नगर, ग्राम० एस० सं० 163/2, में 4500 स्कुयर फीट (मकान के साथ) ।

के० पोशन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-५-१९७८

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० 8004/सितम्बर/77—यतः मुझे के० पोशन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 31, विलार बड़म, तंजाऊर तालुका मे स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०, तंजाऊर (डाकुमेण्ट 2724/77) मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 19-9-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल जे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की वापत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्र मे कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

1. श्री एस० वी० चेल्लतुरै (अन्तरक)

2. श्री शी० के० राजेयन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टहस्ताक्षरी के पास सिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त मर्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

तंजाऊर, तालुका, विलार बड़म, आर० एस० सं० 31 मे 8 एकड़ और 52½ सेण्ट।

(ख) ऐसा किसी माय या किसी धन या मूल्य आकित्यों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1951 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरती द्वारा प्रयोग नहीं किया गया था या निया जाना चाहिए था, जिसने मे सुविधा के लिए;

के० पोशन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण);
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-वा के अनुसरण मे मैं, उक्त अधिनियम दी धारा 269-व की उपषारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-

तारीख : 15-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० 8004/सितम्बर/77—यतः मुझे के० पोशन,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० 31, तिलार बट्टम, तंजावूर
तालुका में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस०
आर० तंजावूर (डाकुमेण्ट 2725/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-9-77
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित पै वास्तविक रूप से ऊर्ध्वाने
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
रप्रधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

1. बी० गुनसेकर पान्डियन (अन्तरक)

2. बी० के० तुलसिरामन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन
के लिए कार्यवाहियां मुरुक करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आव्वेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, क
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
धारी, के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

तंजावूर तालुका, विलार बट्टम, आर० एस० सं० 31 में
8 एकड़ और 52-1/2 सेण्ट।

के० पोशन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेज-II, मद्रास,

तारीख : 15-5-1978
मोहर :

प्रस्तुत पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास
मद्रास-600006, दिनांक 15 मई 1978

निदेश सं० 8004/सितम्बर/77—यतः मुझे के० पोषन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 31, विलार वड्हम, तंजाऊर तालुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज० एस० आर०, तंजाऊर (डाकुमेण्ट 2726/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-9-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिक्रिया है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं अन्तरिक्षीय बारा प्रफट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्वत :—

1. श्रीमती लहमन नाडार (अन्तरक)

2. श्री के० जयरामन (अन्तरिक्षीय)

हो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपाधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तंजाऊर तालुका, विलार वड्हम, आर० एस० सं० 31 में 8 एकर और 52-1/2 सेण्ट।

के० पोषन,
सकाम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 15-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 15 मई 1978

निवेश सं० 8004/सितम्बर/77—यतः मुझे को० पोशन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 31, विलार वट्टम, तंजाऊर तालुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, ज० एस० मार०तंजाऊर (डाकुमेण्ट 2727/77) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-9-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) पन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के पन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सात्त्विकों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती एस० सिवभाविक्यम (अन्तरक)

2. श्रीमती नागम्माल (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तंजाऊर तालुका, विलार वट्टम आर० एस० सं० 31 में 8 एकर और 52 $\frac{1}{2}$ सेण्ट।

को० पोशन
सक्षम प्राधिकारी,
संशय आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेंज-II, मद्रास

असः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

8—106 GI/78

तारीख : 15-5-1978

मोहर :

प्रस्तुत प्राई ० टी ० एन ० एस ० —————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 15 मई 1978

निकेश सं० 8014/सितम्बर/77—यतः मुझे के० पोषन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अरन्तांगी, सन्तुष्टिपूर्ण रोड, एस० सं० 5/4ए, (भूमि और मकान) में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अरन्तांगी (डाकुमेण्ट 2078/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-9-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भी ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ अक्षय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने/करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, घर्ता:—

1. सोमकनाड तेवर; मेघनादन; सुवर्मनियन; आनन्द सेकरन और विनायगमूली, कुमारसामि और सोमसुन्दरम (अन्तरक)

2. डॉक्टर बी० अलकम्माल

(अन्तरिती)

को यदि सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रज्ञाय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा, जो उस प्रज्ञाय में दिया गया है।

अनुसूची

अरन्तांगी, सन्तुष्टिपूर्ण रोड, एस० सं० 5/4 ए मे० 14
(मकान के साथ)

के० पोषन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 15-5-1978
मोहर :

प्राप्ति प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 मई 1978

निवेश सं० नं० ए० सी० क्य० 23-I-1385(661)—

अरा॒, मुझे॑, एस० सी० परीष्य,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा
269व के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 115-2, पैकी तथा 115-3, टी० पी० एस०-
20, एफ० पी० 288 सब प्लाट 6-ए है तथा जो कोचरबा॒, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर

1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
अनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रतिरक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रा॒: अब उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपावदा॒
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत् :—

1. श्री अम्बालाल कुबेरवास, घाह, सी-4, मिनीता एपार्ट-
मेंट्स, नवरंगपुरा, प्रहमदाबाद (अन्तरक)

2. (i) न्यू अमद्दता पार्क को० ओप० हाउसिंग सोसायटी
को और से :

प्रमुख श्री बी० सी० अमीन, 10, नरमदा नगर अधूवा
लाइस, सुरत।

(ii) श्री जीतेन्द्रकुमार शान्तीलाल मोदी, सेक्टरी:
न्यू अमद्दता पार्क को० ओप० हाँ० सो० निशा की खड़की,
प्रहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुभूति

एक प्रचल सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 115-2 पैकी तथा 115-3
पैकी है तथा जिसका एफ० पी० नं० 288, सब प्लाट नं० 6-ए, टी०
पी० एस० नं० 20 है तथा जो कोचरबा॒ अहमदाबाद में स्थित है।
तथा जिसका पूर्ण वरणन सितम्बर-77 बाले बिक्री दस्तावेज
नं० 6184/77 में दिया गया है।

एस० सी० परीष्य
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 16-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन् एस्—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 मई 1978

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1507(662)/16-1/77-78—

श्रेतः मुझे ए० सी० परीक्षा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 120 तथा 134, है। तथा जो भखुम्भाजी परा, धोराजी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धोराजी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-9-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रकृष्ट: प्रद., उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपलब्धा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जीत:—

1. श्री छबीलदास हीराचंद, पावर ओफ एटारनी होल्डर, जयकुंवर जादवाजी भानसाली, भखुम्भाजी परा, धोराजी (अन्तरक)

2. (i) श्री रामजीभाई मूलजीभाई जलावाड़ीया,
(ii) श्री जयतीला मूलजी भाई जलावाड़ीया,
(iii) श्री धीरजलाल मूलजीभाई जलावाड़ीया,
महाकाली लाल के सामने, कानजी श्रोधवर्जी के प्लाट में,
धोराजी (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद किसी भून्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1378 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका प्लाट नं० 120 तथा 134 है तथा जो भखुम्भाजी परा में, धोराजी में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 13-9-77 वाले विक्री वस्तावेज नं० 913 में दिया गया है।

ए० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 23-5-1978

मौहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

कांकीनाडा, दिनांक 19 मई 1978

सं० 667—यतः मुझे वि० वि० वि० सुब्बाराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एषए से अधिक है।

और जिसकी सं० 9/336(21-13-18) है, जो अधिपुरम,
राजमुंड्री में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमुंड्री
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

22-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्त से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः:—

1. श्री एन० के० श्रीनारायण शास्त्री, एन० कृष्णन सीमयाजुक
एन० चन्द्रमती देवी, राजमुंड्री। (अन्तरक)
2. श्री कृष्ण शर्मा, राजमुंड्री हरिराम खन्डेलवाला, बनवारी
लाल शर्मा, कंलकत्ता। (अन्तरिती)
3. श्री एस० के० शर्मा एण्ड अन्य (वह अवक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में फोर्ड भी ग्राहेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

राजमुंड्री रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अंत 30-9-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3778/77 और 3779/77 में नियमित
अनुसूची सम्पत्ति।

वि० वि० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 19-5-78

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज बंगलूर
 बंगलूर, दिनांक 6 मई, 1978

निर्देश सं० सी आर62/13115/78-79/एसीक्यू/बी-यतः
 मुझे ज० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सद्व्यवहारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है, तथा जो बी० पी० बाड़िया रोड़, बसवन्तगुड़ी बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बसवन्तगुड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रति फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य ग्रासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुवान में, भौमि अधिनियम, की धारा 269-घ की उपलाख (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितबों, अर्थात्—

1. (1) श्रीमती एलिजबेत पियरसेल टेन बर्यिक पत्नी विलियम डेविस टेन बर्यिक, (2) सफोया टेन बर्यिक पुत्री विलियम डेविस टेन बर्यिक नं० 1, बी० पी० बाड़िया रोड़, बसवन्तगुड़ी, बंगलूर-4 (अन्तरक)

2. ईस्ट वेस्ट मेनुकेशन ट्रस्ट, ईस्ट वेस्ट स्कूल, आरम्भगम, संरक्षण, बंगलूर-4 (अतिरिक्ती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षियां द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्धुवती

दस्तावेज सं० 1238/77-78 तारीख 4/9/77
 नं० 1, बी० पी० बाड़िया रोड़, बसवन्तगुड़ी, बंगलूर-4

बांध उ : रोड़

द : मकान

प : कृष्णराजेंद्र रोड़

पू : मकान

ज० एस० राव,

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूर

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रकल्प प्राइंट ई० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० सीआर नं० 62/14246/78-79/एसी—यतः
मुझे जै० एस० राव

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 28, कवा 33 है, तथा जो जै० सी० रोड, बंगलूर
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 18-11-77
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन करने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौद्योगिकी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगानन्तर अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269प्र (1) के प्रनु-
सरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ख की उपधारा
अधीन निम्नलिखित अविकायों, अवृत्त :—

1. (1) एम० लक्ष्मण्या पुत्र सुनिविनप्पा, (2) ए० एल०
सत्यनारायना पुत्र राम लक्ष्मण्या, (3) श्रीनिवास,
(4) केश्तपाल, (5) दिनेश (6) मृत्युजया,
पुत्रगण ए० एल० सत्यनारायना नं० 4 पड़लन्ना स्ट्रीट
बंगलूर होबली अडुगोडी बंगलूर (7) ए० एल० बासुदेव
पुत्र श्री एम० लक्ष्मण्या बंगलूर (अन्तरक)

2. (1) एस० एन० सत्यबामा पत्नी श्री एस० नारायन
सेटी (2) एस० एन० विश्वनातस्य सेटी पुत्र एम०
नारायन सेटी एन० आर० एक्सटेनशन चितामनी
कोलार (अन्तरिती)

3 श्री बाबू लाल गलज (वह अविक्त, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तक्सांबद्ध अविक्तियों पर मूल्यना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों
में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

बन्नुसूची

(दस्तावेज सं० 1965/7278 तारीख 18/11/77)

नं० 28 और नं० 33, जै० सी० रोड, बंगलूर।

बांध : पूः मिनख थियेटर

प : जै० सी० रोड,

उ : बालाजी लाइक

द : मिनखा थियेटर

जै० एस० राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० सीआर 62/12974/78-79/एसीक्यू/बी—यतः
मुझे ज० एस० राव

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है, तथा जो अशोका विहार II ब्लाक, जय नगर,
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जय नगर
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख 26-9-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह
प्रतिशत अधिक है और भवतरक (भवतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भवतरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भवतरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भवतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भवतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-प की उपशारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. एस० नारायण राव पुत्र एवं सुब्बाराव, नं० 461,
II ब्लाक, जयनगर बंगलूर (अन्तरक)
2. (1) सी० वी० नागरतनन्मा पत्नी सी० के० वेंकटा-
चलपति सेट्टी,
(1) सी० वी० सीताराम, (2) सी० वी० सुधाकर,
(3) सी० वी० प्रेमनाथ, (4) सी० वी० जगदीश
(5) सी० वी० रघु पुत्र सी० के० वेंकटायलपति सेट्टी
नं० 4, के० एन० लेन, नगरतपेट ओस बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अन्तरिति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभा-
षित हैं, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

भनुसूची

दस्तावेज 1488/77-78 तारीख 26-9-77)

नं० 5, सी० आर० टी० वी० 461), अशोका पिकर,
II ब्लाक, जयनगर बंगलूर-1

बांद : पूः नं० 4,

द : नं० 6

उ : कनकन पालय 100' मेन रोड,

द : 20' रोड़

ज० एस० राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 मई 1978

निवेश सं० सीआर 62/13104/78-79/एसीक्यू/बी—ग्रतः
मुझे, जै० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 9 है, तथा जो सौत क्रास, बसवनगुडी, बंगलूर
में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
8-9-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वापत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या भूम्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अक्षितयों अर्थात् :—

9—106GI/78

1. श्री एम० जी० चक्रपाणि नायडू पुत्र एम० गोविंदस्वामि
नायडू नं० 8, सौत क्रास रोड, बसवनगुडी, बंगलूर-4
(अन्तरक)

2. श्रीमती ग्रेस स्थामला पुष्पराज पुत्र श्री जै० पुष्पराज
नं० 19/2, "कृपा" पट्टालम्बा टेपल स्ट्रीट बसवनगुडी,
बंगलूर-4
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में
से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अक्षित द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में
किये जा सकें।

एव्वलीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20क में परिमाणित हैं, वही
प्रयोग होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1198/77-78 तारीख 8-9-77)
सारांसंपत्ति का नं० 9, सौत क्रास, बसवनगुडी बंगलूर-4
बांधः पूः वेंडर का
पः सौत क्रास रोड
उः वेंडर का
दः प्राइवेट प्रापर्टी

जै० एस० राव
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 24-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईडी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 अप्रैल 1978

जनिदेश सं० एस-163/एसीक्यू—अतः मुझे, अमर सिंह विसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इष्ट से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मो० बाजार कोट कस्बा अमरोहा मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरोहा (मुरादाबाद) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-9-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अप्पियों अर्थात् :—

1. श्री धर्मेन्द्र कुमार व अन्य

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश चन्द्र व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदौहरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही पर्याप्त होगा जो उप अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

एक किता तीन मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 75×50 फुट है जो कि मोहल्ला बाजार कोट कस्बा अमरोहा जिला मुरादाबाद में स्थित है। जो कि सेलडीड तथा फार्म 37 जी नं० 4480 दिनांक 21-9-77 में अंकित है तथा जो उपनिवन्धक अमरोहा जिला मुरादाबाद के कार्यालय में दर्ज है।

अमर सिंह विसेन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 25-4-78

मोहर :

प्रस्तुत प्राईंटी ३० एन० एस०—

1. श्रीमती जगवन्ती देवी एवं हीमुलाल (अन्तरक)
2. विश्वनाथ प्रसाद यादव एवं केशारी देवी (अन्तर्गत)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 5 मई 1978

निदेश नं० ३७-वी/एसीक्यू—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ए के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी-20/2-8 है तथा जो नं० नाई पोखारा हबीबपुरा वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुख्य उप निवन्धक वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17-9-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (शन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूई किसी आय की बावजूद अन्तरण अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायिल्क में कमी करने या उससे बचने में सुधार के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्दकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुश्किल के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269ए के अनुसर इसमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उपरारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिनियमों पर्यातः:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रामेप;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संख्याएः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

दो मंजिला मकान नं० सी-20/2-8 जिसका क्लेन्टफल 1720 वर्गफिट है। जो कि मोहल्ला नई पोखारा हबीबपुरा वाराणसी में स्थित है। और जो कि सेल डीड तथा फार्म ३७ जी नं० ५४७१ दिनांक 17-9-77 में अंकित है तथा मुख्य उप निवन्धक वाराणसी के कार्यालय में पंजीकृत है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-5-78

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st May 1978

No. P-1776/Admn.II.—On the expiry of his deputation as Senior Programmer in the Commission's Office, the services of Shri K. S. Nayak, Lecturer, Computer Science Unit, Indian Statistical Institute, Calcutta, are placed at the disposal of Indian Statistical Institute, Calcutta with effect from the forenoon of 1st May 1978.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.
for Chairman

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th May 1978

F. No. P-4/69-Ad.V.—The Director, C.B.I. and IGP/SPE hereby appoints Shri P. P. Singh, Public Prosecutor, C.B.I., S.P.E., Patna on deputation from Bihar State as Senior Public Prosecutor in the C.B.I., S.P.E. for a period of 3 years with effect from the forenoon of 21st March 1977.

(This is in supersession of the notification No. PF/P-4/69-Ad.V, dated 6-3-78).

No. A-19021/1/77-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri S. M. Cairae, IPS (1967-Bihar) as Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation (S.P.E.) with effect from the forenoon of 12th May 1977 on deputation basis until further orders.

The 23rd May 1978

F. No. A-19021/2/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri S. Ramani, IPS (1970-Tamil Nadu) as Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, S.P.E. with effect from the afternoon of 1st May 1978 on deputation basis until further orders.

JARNAIL SINGH
Administrative Officer (E)
C.B.I.

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE AND ORDNANCE EQUIPMENT
FACTORIES

Calcutta, the 12th May 1978

No. 5/78/A/M—The DGOF is pleased to appoint the following officers on ad-hoc basis with effect from the date indicated against each :

| Sl. No. | Name & Post | Posted at | Date |
|------------|---|----------------------------|-----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Dr. T. K. Sinha Asstt Surgeon, Gr. I | Ordnance Factory, Bhandara | 12-8-1971 |
| 2. | Dr. (Mrs.) M. Sinha Asstt. Surgeon Gr. I | Do. | 12-8-1971 |

No. 6/78/A/M—The DGOF is pleased to accept resignation of the following temporary ad-hoc Asstt. Surgeons Gr. I with effect from the dates shown against each :

| Sl. No. | Name | Factory | Date |
|------------|---------------------|----------------------------|------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Dr. (Mrs.) M. Sinha | Ordnance Factory, Bhandara | 13-11-1973 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|----|-----------------|----------------------------|------------|
| 2. | Dr. T. K. Sinha | Ordnance Factory, Bhandara | 26-12-1973 |

P. N. TRIKHA
Brig.
Director of Health Services,
for Director General, Ordnance Factories

D.G.O.F. HQRS CIVIL SERVICE

Calcutta, the 11th May 1978

No. 72/78/A/E-1.—The DGOF is pleased to promote the following P. As in Offg. capacity without effect on seniority in grades and from dates shown against each :

| | | | |
|-----|--|--|----------------------------|
| 1. | Shri S. Gopal (Retired from 30-6-75) | Stenographer Gr. 'B'/Sr. PA Stenographer Gr. A/P. S. | 1-1-73 1-5-74 |
| 2. | Shri S. Vedagir (Retired from 31-1-76) | Stenographer Gr. 'B'/Sr. P.A. Stenographer Gr. 'A'/P.S. | 1-1-73 1-1-73 1-5-74 |
| 3. | Shri S. V. Eswaran (Retired from 29-2-76) | Stenographer Gr. 'B'/Sr. P.A. Stenographer Gr. 'A'/P.S. | 1-1-74 1-5-74 |
| 4. | Shri M. K. Sen | Stenographer Gr. 'B'/Sr. P.A. Stenographer Gr. 'A'/P.S. | 1-1-74 1-7-75 |
| 5. | Shri K.N. Mukherjee | Stenographer Gr. 'B'/Sr. P.A. | 1-1-73 |
| 6. | Shri R. Sundaram | Stenographer Gr. 'B'/Sr. P.A. | 1-1-73 |
| 7. | Shri B. Mondal | Stenographer Gr. 'B'/Sr. P.A. | 23-9-73 |
| 8. | Shri CASankaranarayanan | Stenographer Gr. 'B'/Sr. P.A. | 24-9-74 |
| 9. | Shri P. K. Chakravorty | Stenographer Gr. 'B'/Sr. P.A. | 1-7-75 |
| 10. | Shri V. R. Nair | Stenographer Gr. 'B'/Sr. P.A. | 1-2-76 |

D. P. CHAKRAVARTI,
ADG/Admin. II
for Director General Ordinance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-700016, the 19th May 1978

No. 19/78/G.—On expiry of Leave Pending Retirement Shri R. K. Bose, Offg. D. M. (Subst & Permanent Foreman) retired from service w.e.f. 31st July 1977 (AN).

V. K. MEHTA
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU
Simla-171004, the 3rd June 1978

No. 23/3/78-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by one point to reach 322 (three hundred and twenty two) during the month of April, 1978. Converted to base : 1949=100 the index for the month of April, 1978 works out to 391 (three hundred and ninety one).

TRIBHUAN SINGH
Deputy Director

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 17th April 1978

No. A-19018/304/77-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri M. Madhuranath as Deputy Director (Electrical) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 15th February 1978 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri M. Madhuranath assumed charge as Deputy Director (Electrical) in the Small Industries Service Institute, Ahmedabad w.e.f. the forenoon of 15th February 1978.

V. VENKATRAYULU
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 19th May 1978

No. A-1/1(553).—Shri R. N. Mondal, officiating Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 30th April 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(713).—The President is pleased to appoint Shri S. C. Kumar, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate, on regular basis, as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the afternoon of 21st March 1978 and until further orders.

Shri Kumar relinquished charge of the post of Dy. Director and assumed charge of the post of Director at Headquarters on the afternoon of 21st March 1978.

No. A-1/1(728).—Shri A. K. Radhakrishnan, an officiating Assistant Director (Grade II) in the Directorate of Supplies and Disposals, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30th April 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 23rd May 1978

No. A-1/1(703).—The President is pleased to appoint Shri Shyam Kishore Mallik to officiate as Director (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on regular basis with effect from the forenoon of the 3rd May 1978 and until further orders.

Shri Shyam Kishore Mallik relinquished charge of the post of Deputy Director (Supplies) and assumed charge of the post of Director (Supplies) in the Headquarters on the forenoon of 3rd May 1978.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th May 1978

No. 10/90/77-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Anil Kumar to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Jodhpur with effect from 1st May 1978.

HARJIT SINGH
Dy. Director of Admn.
for Director General

New Delhi, the 20th May 1978

No. 3/21/60-SII.—Shri S. Samtu, has relinquished the charge of the post of Administrative Officer, All India Radio, Rajkot on 22nd April 1978 (A.N.) on reversion to the post of Senior Accountant at Central Sales Unit, Commercial Broadcasting Services, All India Radio, Bombay.

S. V. SESADRI
Dy. Director of Admn.
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 26th April 1978

No. A.12025/1/78-SI.—The President is pleased to appoint S/Shri Moti Lal Meena and Himmatal Devabhai Patel in the post of Deputy Assistant Director General (Medical Stores), Government Medical Stores Depot, Calcutta/Karnal with effect from the forenoon of the 6th March 1978 and the 8th March 1978 respectively until further orders. S/Shri Meena and Patel are permitted to hold the Charge of their respective posts at Government Medical Stores Depot Hyderabad for a period of three months in the first instance from the date of joining.

SANGAT SINGH
Dy. Director Admn. (Stores)

New Delhi, the 17th May 1978

No. 17/70/73-Admn.I.—On expiry of his term of deputation Shri H. G. Bijlani relinquished charge of the post of Technical Officer (Medical Stores) in the Directorate General of Health Services on the forenoon of 1st May 1978.

No. A.12025/48/76(NMEP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Kailash Rastogi to the post of Entomologist, National Malaria Eradication Programme, Delhi, with effect from the forenoon of 17th April 1978 in a temporary capacity and until further orders.

No. A.19019/44/77(HQ)Admn.I.—The President is pleased to accept the resignation of Shri M. K. Gupta, Architect, Directorate General of Health Services from Government service with effect from the afternoon of 6th April 1978.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 20th May 1978

No. A.19025/70/78-A.III.—Shri S. P. Shinde, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Bombay with effect from 29th April 1978 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19025/77/78-A.III.—Shri M. Jagannath Rao, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Chilakaluripet with effect from 1st May 1978 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA
Director of Admn.
for Agricultural Marketing Adviser

Bhabha ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 11th March 1978

No. S/1968/TSD/Estd.II/1879.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre is pleased to accept the resignation from services tendered by Shri Kishori Lal Sharma, a

permanent Foreman and officiating Scientific Officer (SB) with effect from 25th March 1978 AN.

Shri Sharma relinquished charge of his post on 24th January 1978 AN and was granted earned leave for 60 days from 25th January 1978 to 25th March 1978 AN.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN
Dy. Establishment Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES**

Bombay-400 001, the 17th May 1978

No. DPS/23/4/77/Est./14123.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. N. U. Nair, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 29th April 1978 to 31st May 1978 *vice* Shri K. P. S. Pillai, Assistant Purchase Officer granted leave.

No. DPS/23/4/77/Est./14127.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri S. G. Jeble, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 14th April 1978 to 19th May 1978 *vice* Shri J. T. Nerukar, Assistant Purchase Officer granted leave.

The 19th May 1978

No. DPS/A/32011/3/76[Estl]4192.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated April 18, 1978 Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Karuvathil Ravendran, a temporary Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Personnel Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from April 21, 1978 (FN) to May 20, 1978 (AN) *vice* Shri K. P. Joseph, Assistant Personnel Officer appointed as Administrative Officer.

B. G. KULKARNI
Asstt. Personnel Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Bombay-500762, the 3rd May 1978

No. PAR/0704/565.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Mohd. Minhaj Rasool, UDC, to officiate as Assistant Personnel Officer on *ad-hoc* basis in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, from 3rd May 1978 to 5th June 1978, or until further orders whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO
Administrative Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 5th May 1978

No. MAPP/18(87)/78-Recd.—Director, Power Projects Engineering Division, appoints Shri R. Subbiah, Quasi, permanent Scientific Assistant (C) as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in this Project with effect from the forenoon of February 1, 1978 until further orders.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 19th May 1978

No. AMD-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Sanjoy Kumar Das as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of January 23, 1978 until further orders.

No. AMD-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Illavajala Venkata Sastry as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the afternoon of February 13, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana-401 504, the 12th May 1978

No. TAPS/1/34(1)/77-R(Vol.II).—Consequent on their selection for promotion to the next higher grade, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints the undermentioned persons in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer SB in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978.

Sl. No. Name and Designation

1. Shri P. Balakrishnan, Scientific Asstt. 'C'.
2. Shri D. M. Pandey, Scientific Asstt. 'C'.
3. Shri M. S. Santhanam, Tradesman 'G'.
4. Shri M. P. Thomas, Tradesman 'G'.

A. D. DESAI
Chief Administrative Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY

Bombay-400039, the 27th April 1978

No. APA/Adm/16/89/78.—Chairman-cum-Chief Executive, Atomic Power Authority hereby appoints Shri P. K. Chopra, on transfer from the Tarapur Atomic Power Station, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Power Authority (Central Office) in an officiating capacity with effect from the forenoon of March 9, 1978, until further orders.

S. MURALI
Chief Adm. & Accounts Officer
for Chairman-cum-Chief Executive

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 8th May 1978

No. A.32012/5/78-R/10053.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints the following temporary officials of this Centre as Scientific Officers Grade-SB in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978 until further orders.

1. Shri A. Michael David—Foreman.
2. Shri V. Gurumurthy—Draughtsman 'C'.
3. Shri R. S. Raghavendran—Draughtsman 'C'.
4. Shri S. Raghupathi—Draughtsman 'C'.
5. Shri G. Elumalai—Scientific Assistant 'C'.
6. Shri K. N. Ramachandran—Scientific Assistant 'C'.

R. H. SHANMUKHAM
Administrative Officer
for Project Director, Reactor Research Centre

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 20th May 1978

No. A.38015/9/78-EC.—The Director General of Civil Aviation regrets to announce the death of Shri S. A. Xavier, Assistant Technical Officer, ACS, Calcutta Airport, Dum Dum on 1st April 1978.

S. D. SHARMA, Dy Director of Admn.

New Delhi, the 18th May 1978

No. A. 32014/4/77-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Assistant Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the date mentioned against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :

| Sl. No. | Name | Date | Station of posting |
|------------|---------------------------|---------|--------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | S/Shri | | |
| 1. | H. S. Sandhu . . . | 5-12-77 | Amritsar |
| 2. | K. C. Jharia . . . | 6-12-77 | Bombay (Juhu) |
| 3. | C. V. Joseph . . . | 5-12-77 | Madurai |
| 4. | H. D. Ghosal . . . | 5-12-77 | Belgaum |
| 5. | P. Raghavan . . . | 5-12-77 | Madurai |
| 6. | P. K. Dey . . . | 5-12-77 | Begumpet |
| 7. | M. R. Naidu . . . | 5-12-77 | Trivendrum |
| 8. | Hans Raj . . . | 5-12-77 | RD Office, New Delhi. |
| 9. | M. K. Roy Chowdhury . . . | 5-12-77 | North Lakhimpur |
| 10. | J. R. Soni . . . | 5-12-77 | Kanpur (Chakeri) |
| 11. | P. N. Dhar . . . | 5-12-77 | Jodhpur |
| 12. | M. S. Sharma . . . | 5-12-77 | Jaipur |
| 13. | R. D. Bajpai . . . | 5-12-77 | Dum Dum |
| 14. | J. L. Kapoor . . . | 5-12-77 | Kandila |
| 15. | M. G. Thorat . . . | 5-12-77 | Vijayawada |
| 16. | Prem Kumar . . . | 5-12-77 | Varanasi |
| 17. | V. S. R. Rao . . . | 5-12-77 | Nagpur |
| 18. | L. C. Chandwani . . . | 5-12-77 | Bombay (Juhu) |
| 19. | K. R. Pandulal . . . | 5-12-77 | Trivendrum |

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration]

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Allahabad, the 22nd March 1978

No. 2/1978.—Shri S. N. P. Mathur, confirmed Inspector (S.G.) posted at Hdqrs. Office, Kanpur Collectorate, appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, (Group 'B') until further orders vide this office Establishment Order No. 52/1977 dated 10th March 1977 in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1200, took over charge of Superintendent, M.O.R. Pilibhit in the forenoon of 7th April 1977.

A. N. NANDA
Collector

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 17th May 1978

No. P(GAZ)185/Accounts.—Sri T. Malyadri, an Officer of the Indian Railway Accounts Service of this Railway is confirmed in Junior Scale of that service with effect from 2-8-1977 (Second August Nineteen Hundred Seventy Seven).

T. M. THOMAS
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF REGISTRAR OF COMPANIES
*In the matter of Companies Act, 1956, and of
M/s. Kinathu Kadavu Transport Private Ltd.*

Madras, the 12th May 1978

No. DN/4518/560(3)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of sec 560 Board of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kinathu Kadavu Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

C. ACHUTHAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
M/s. Feodal Pvt. Ltd.*

Cuttack, the 18th May 1978

No. S.O. 514/78/704(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Feodal Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
M/s. Utkal Points and Allied Products Private Limited*

No. S.O. 551/78/703(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Utkal Points & Allied Products Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Dhillan Refrigeration (India) Private Limited*

Kanpur, the 18th May 1978

No. 4948/3138 L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Dhillan Refrigeration (India) Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
The Agra Trade Association*

Kanpur, the 18th May 1978

No. 4949/339 L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of The Agra Trade Association has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
U.P. Imports and Exports Private Limited*

Kanpur, the 20th May 1978

No. 5019/1447 L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the U.P. Imports and Exports Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
M/s. Beopar Sahayak Bank Ltd. (In Lign.)*

Kanpur, the 20th May 1978

No. 5020A/48-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the Beopar Sahayak Bank Ltd. (In Lign.) unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Flora Finance and Chit Fund Private Limited*

Kanpur, the 20th May 1978

No. 5020/2994-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Flora Finance and Chit Fund Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

M. L. SAH
Registrar of Companies, U.P.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Dholpur Food Growers Company Private Ltd.*

Gwalior, the 19th May 1978

No. 1200/A/560/2634.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dholpur Food Growers Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Madhya Bharat Agro And Urban Development
Company Private Ltd.*

Gwalior, the 19th May 1978

No. 1143/A/560/2636.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Madhya Bharat Agro And Urban Development Co. P. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Dholpur Land Development Company Private Limited*

Gwalior, the 19th May 1978

No. 1195/A/560/2638.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dholpur Land Development Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
The Gwalior Land Development Company Private Ltd.*

Gwalior, the 19th May 1978

No. 1144/A/560/2632.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the The Gwalior Land Development Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
The Gwalior Food Growers And Cultivators Company
Pvt. Ltd.*

Gwalior, the 19th May 1978

No. 1152/A/560/2630.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the The Gwalior Food Growers And Cultivators Company Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies
Madhya Pradesh

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
M/s. Yogiraj Potteries Private Limited*

Ahmedabad, the 20th May 1978

No. 1493/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Yogiraj Potteries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
M/s. Asian Rayon & Silk Manufacturing Co. Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 20th May 1978

No. 2132/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Asian Rayon & Silk Mfg. Co. Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
M/s. Onkar Benefit Private Limited*

Ahmedabad, the 20th May 1978

No. 1920/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Onkar Benefit Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
M/s. Akota Poultry Farm Private Limited*

Ahmedabad, the 20th May 1978

No. 2419/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Akota Poultry Farm Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA
Registrar of Companies, Gujarat

*Notice Under Section 445(2) of the Companies Act, 1956
In the matter of M/s. Mallklen Granules Pvt. Ltd.*

Delhi, the 20th May 1978

No. Co. Lign/6649/9168.—By an order dated the 21-3-78 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s. Mallklen Granules Private Limited has been ordered to be wound up.

*Notice Under Section 445(2) of the Companies Act, 1956
In the matter of M/s. Victor Electric Company Pvt. Ltd.*

Delhi, the 20th May 1978

No. Co. Lign/625/9175.—By an order dated the 9-3-1978 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s. Victor Electric Company Private Limited has been ordered to be wound up.

*Notice Under Section 445(2) of the Companies Act, 1956
In the matter of M/s. Leather & Artistic Craft Pvt. Ltd.*

Delhi, the 20th May 1978

No. Co. Lign/735/9200.—By an order dated the 16-3-78 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s. Leather & Artistic Craft Private Limited has been ordered to be wound up.

R. K. ARORA
Registrar of Companies
Delhi & Haryana

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 9th May 1978

INCOME-TAX

No. PUR-DLI/II/78-79/3610.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 1-6-1978.

(1) Trust Circle-V, New Delhi.

F. No. JUR-DLI/II/78-79/3724—In supersession of all previous orders on the subject and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officers mentioned in column 2 of the Schedule appended hereto shall perform their functions in respect of the persons or classes of persons income or classes of income and cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases which have been assigned under section 127 of the said Act, 1961 to any other Income-tax officer or which may here after be assigned u/s. 127 to any other Income-tax Officer.

SCHEDULE

| Sl. No. | Designation of the I.T.O. | Jurisdiction |
|------------|---|--|
| 1. | Income-tax Officer, Trust Circle-I, New Delhi. | All Charitable and religious trusts/institutions cases whose name commences with any one of the alphabets A to C (both inclusive). |
| 2. | Income-tax Officer, Trust Circle-II, New Delhi. | All Charitable and religious trusts/institutions cases whose name commences with any one of the alphabets S to Z (both inclusive). |
| 3. | Income-tax Officer, Trust Circle-IV, New Delhi. | All Charitable and religious trusts/institutions cases whose name commences with any one of the alphabets D to J (both inclusive). |
| 4. | Income-tax Officer, Trust Circle V, New Delhi. | All Charitable and religious trusts/institutions cases whose name commences with any one of the alphabets K to R (both inclusive). |

This notification shall take effect from 1-6-1978.

A. C. JAIN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-II, New Delhi.

New Delhi, the 12th May 1978

F. No. JUR-DLI/V/78-79/3966—In partial modification of all earlier orders on the subject and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Income-tax officer mentioned in column 2 of the schedule appended here to shall also and the Income-tax officers mentioned in column 3 there of shall not perform their functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of incomes and the cases or classes of cases specified in column 4 of the said schedule)

SCHEDULE

| Sl. No. | Designation of the Income-tax officer who shall perform the function. | Designation of the Income-tax officer who shall not perform the function. | Jurisdiction |
|------------|---|---|--|
| 1. | Distt. II(1) | Distt. II(2), II(12) II(13), II(14), II (15), II(16). | All persons being partners of the firms whose cases have been assign- ed u/s 127 to the Income-tax officer mentioned in col. 2 other than those assigned u/s 127 to the ITOs mentioned in col. 3. |
| 2. | Distt. II(3) | Do. | Do. |
| 3. | Distt. II(4) | Do. | Do. |
| 4. | Distt. II(5) | Do. | Do. |
| 5. | Distt. II(6) | Do. | Do. |
| 6. | Distt. II(7) | Do. | Do. |
| 7. | Distt. II(8) | Do. | Do. |
| 8. | Distt. II(9) | Do. | Do. |
| 9. | Distt. II(10) | Do. | Do. |
| 10. | Distt. II(11) | Do. | Do. |
| 11. | Distt. II(11) Addl. | Do. | Do. |

This notification shall have take effect from 15-5-78.

K. R. RAGHAVAN,
Commissioner of Income-tax Delhi, New Delhi.

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT
SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi, the 13th April 1978

F. No. 36/11/78-AD/COMS.—On her selection for appointment by transfer on deputation, vide Central Board of Direct Taxes Order F. No. A-22013/3/77-Ad-VI dated 20-2-78, Smt. Kusum Ravinder Bhatia, Assistant Director, (Training Wing), Regional Training Institute, Bombay, assumed the charge as Assistant Director in the Office of the Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax), New Delhi on the Forenoon of 31st March, 1978.

JAGDISH CHAND
Director
Directorate of O&M Services

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 30th March 1978

Ref. No. ASR/64/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Head Water Works Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar city in August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Subhash Chander S/o Shri Sat Paul R/o Chowk Farid, Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s. Om Milling & Dyeing Works, Head Water Works, Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (person whom the undersigned knows be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the regd. deed No. 1551 of August, 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-3-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ratan Singh S/o Shri Mela Singh
R/o 13-A, Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th April 1978

Ref. No. ASR/65/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land situated at G.T. Road Amritsar, near Jullundur Octroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in Aug. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ratan Singh S/o Shri Mela Singh
R/o 13-A, Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sarab Iqbal Singh S/o Shri Rattan Singh
R/o Bhagat Singh Pura, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property](4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Regd. deed No. 1550 of August 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Cheriya Mohamed Haji

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Dr. Paul Bhagwat Singh.
2. Dr. Mary Kutty Singh

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS,
M. G. ROAD, ERNAKULAM

Cochin-682016, the 27th March 1978

Ref. No. L.C.182/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalapuam on 27-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

11 cents of land with buildings in R.S. No. 7-3-51 in Calicut town.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. P. A. VASUDEVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 27-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Savithri K. V. (2) K. V. Devadasan (3)
 K. V. Valsala (4) K. V. Thankam (5) K. V.
 Sadanandan (6) K. V. Girija (7) K. V. Mohandas
 (8) K. V. Latha (9) K. V. Raghudas.

(Transferors)

- (2) M/s Sakthi Automobiles, Calicut
 (by Mg. Partner Shanmughasundaram A).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS,
M. G. ROAD, ERNAKULAM

Cochin-682016, the 27th March 1978

Ref. No. L.C. 181/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chalapuram on 22-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

66.80 cents of land with buildings in Sy. No. 14/4 (R.S.23-4-149) in Panniankara umsom desom in Kozhikode taluk.

C. P. A. VASUDEVAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 27-3-1978
 Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 24th February 1978

Ref. No. 402/Acq.R-III/77-78/Cal.—Whereas, I, KISHORE SEN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. 7 situated at Mayfair Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. B. N. Elias & Co. Ltd.
1 & 2, Old Court House Corner,
Calcutta-700001.

(2) Panjab Bradree,
23E, Netaji Subhash Road, Calcutta.

(Transferors)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring one bigha four chittacks and thirty six sq. ft. or 1366.220 sq. mtr. together with a two storied building and out houses at 7, Mayfair Road, Calcutta registered under deed No. 4212 of 1977 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

KISHORE SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta-16.

Date : 24-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd April 1978

Ref. No. SL. 446/TR-110/C-102/Cal-1/78-79.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 83A and 83B situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 13-9-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Taherbhoy Feeda Ally, 2. Yayabhoy Feeda Ally
2. Abdullaibhoy Feeda Ally 4. Salebhoy Feeda Ally
5. Dawoodbhoy Feeda Ally 6. Tayebboy Feeda Ally
all of 9, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta.
(Transferor)

(2) Favourite Small Investment Limited,
9D, Mahamadan Burial Ground Lane, Calcutta-23.
(Transferee)

(3) M. A. Tulloch & Co. (P) Ltd. 2. Alijan Panwala
3. Md. Ismail Md. Halib 4. Mrs. Swapna Roy
5. Chiranjib Roy, 6. National Book Stores 7. Parla
Book Stores, 8. Sm. Kunwa Rani Vijaya Rajya
9. Sandwik Asia Ltd. 10. R. E. Patel, 11. Vivek
Selvia.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that partly one-storied and partly two-storied Buildings together with revenue free land whereof the same is erected and built containing an area 12 cottahs 2 chittacks 26 sft. more or less being premises No 83A, Park Street and all that partly two and partly three-storied brick-built house together with land on part whereof the same is erected and built containing an area of 2 cottahs 6 chittacks 19 sft. more or less being premises No. 83B Park Street, Calcutta, as per Deed No. I-4229 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta on 13-9-77.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 22-4-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 8th May 1978

Ref. No. AC-2/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, P. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 15, situated at Cossipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7.9.77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Champa Gouri Ajmera
Lilam Mehta & Sovita Motani

(Transferor)

(2) Asha Devi Agarwala

(Transferee)

(3) As per list attached

- (3) 1. Mohd. Sebhann
2. Mohd. Elias
3. Jyoti Electroplating
4. Shree Pal Singh
5. RajBali Yadav
6. Mullick Industries
7. Rubber Roller Print & Industrial
8. Kedco
9. P.D. Industries

10. Sham Sunder Rathi
11. Micro Filters
12. Rubber Rollers Printing & Industrial
13. Bajrangbali Agency
14. Ram Suchet Singh
15. K.C. Jain
16. R.K. Singh
17. Radhe Shyam Goenka
18. Shyam Sunder Rathi
19. Sushila Devi Goenka
20. Kusum Art Print
21. Mohd. Elias
22. Balkishan Rathi
23. Shyam Sunder Rathi
24. Govardhan Das Rathi
25. India Paper Pulp
26. Ply Plastic Industries
27. Amar Singh
28. K.L. Pandey
29. M.P. Singh
30. Budhraj Rathi
31. Mahesh Plastic Industries
32. Shyam Sunder Rathi
33. Sett & De
34. Sadhana Industries
35. Cossipore Industries
36. Jubilee Plastic
37. Ramkrishna Murthy
38. V. K. Agarwal
39. B. D. Aurora
40. Ravi Shankar Acharya
41. Rampal Singh
42. Kishanlal Singh
43. Cossipore Industries
44. Meera Devi Shah
45. Madan Lal Shah
46. Shih Shankar Rav
47. Rajinder Prasad Singh
48. Surinder Prasad Singh
49. Balkishan Agarwala
50. T. N. Trivedi
51. N. K. Trivedi
52. K. L. Pandey & Ors.
53. R. L. Dave

[Person in occupation of the property]

may be made in writing to the undersigned:—
Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of all that piece and parcel of land measuring 1 Bigha 12 K. 9 Ch. 33 Sft. together with three storied building & out house thereon situated at 15, Cossipore Road, P.S. Chitpur, Calcutta.

P. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 8th May 1978

Ref. No. AC-3/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, P. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No 15, situated at Cossipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7.9.77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---|--------------|
| (1) Shrimati Champa Gouri Ajmera Lilam Mehta & Sovita Motani | (Transferor) |
| (2) Shrimati Dropati Devi | (Transferee) |
| (3) 1. Mohd. Sebhan 2. Hohd. Elias 3. Jyoti Electroplating 4. Shree Pal Singh 5. RajBali Yadav 6. Mullick Industries 7. Rubber Roller Print & Industrial 8. Kedco 9. P.D. Industries 10. Sham Sunder Rathi | |

11. Micro Filters
12. Rubber Rollers Printing & Industrial
13. Bajrangbali Agency
14. Ram Suchet Singh
15. K.C. Jain
16. R.K. Singh
17. Radhe Shyam Goenka
18. Shyam Sunder Rathi
19. Sushila Devi Goenka
20. Kusum Art Print
21. Mohd. Elias
22. Balkishan Rathi
23. Shyam Sunder Rathi
24. Goverdhan Das Rathi
25. India Paper Pulp
26. Ply Plastic Industries
27. Amar Singh
28. K.L. Pandey
29. M.P. Singh
30. Budhraij Rathi
31. Mahesh Plastic Industries
32. Shyam Sunder Rathi
33. Sett & De
34. Sadhana Industries
35. Cossipore Industries
36. Jubilee Plastic
37. Ramkrishna Murthy
38. V. K. Agarwal
39. B. D. Aurora
40. Ravi Shankar Acharya
41. Rampal Singh
42. Kishanlal Singh
43. Cossipore Industries
44. Meera Devi Shah
45. Madan Lal Shah
46. Shib Shankar Ray
47. Rajinder Prasad Singh
48. Surinder Prasad Singh
49. Balkishan Agarwala
50. T. N. Trivedi
51. N. K. Trivedi
52. K. L. Pandey & Ors.
53. R. L. Dave

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of all that piece and parcel of land measuring 1 Bigha 12 K. 9 Ch. 33 Sft. together with three storied building & out house thereon situated at 15, Cossipore Road, P.S. Chitpur, Calcutta.

P. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th May 1978

Ref. No. AC-4/Acq.R-IV/Cal/78179.—Whereas, I, P. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 15, situated at Cossipore Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 7.9.77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Champa Gouri Ajmera
Lilam Mehta & Sovita Motani
(Transferor)
- (2) Shrimati Dropati Devi
(Transferee)
- (3) 1. Mohd. Sebhan
2. Mohd. Elias
3. Jyoti Electroplating
4. Shree Pal Singh
5. RajBali Yadav
6. Mullick Industries
7. Rubber Roller Print & Industrial
8. Kedco

- 9. P.D. Industries
10. Sham Sunder Rathi
11. Micro Filters
12. Rubbel Rollers Printing & Industrial
13. Bajrangbali Agency
14. Ram Suchet Singh
15. K.C. Jain
16. R.K. Singh
17. Radhe Shyam Goenka
18. Shyam Sunder Rathi
19. Sushila Devi Goenka
20. Kusum Art Print
21. Mohd. Elias
22. Balkishan Rathi
23. Shyam Sunder Rathi
24. Goverdhan Das Rathi
25. India Paper Pulp
27. Amar Singh
28. K.L. Pandey
29. M.P. Singh
30. Budhraj Rathi
31. Mahesh Plastic Industries
32. Shyam Sunder Rathi
33. Sett & Do
34. Sadhana Industries
35. Cossipore Industries
36. Jubilee Plastic
37. Ramkrishna Murthy
38. V. K. Agarwal
39. B. D. Aurora
40. Ravi Shankar Acharya
41. Rampal Singh
42. Kishanlal Singh
43. Cossipore Industries
44. Meera Devi Shah
45. Madan Lal Shah
46. Shib Shankar Ray
50. T. N. Trivedi
47. Rajinder Prasad Singh
48. Surinder Prasad Singh
49. Balkishan Agarwala
51. N. K. Trivedi
52. K. L. Pandey & Ors.
53. R. L. Dave

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of all that piece and parcel of land measuring 1 Bigha 12 K. 9 Ch. 33 St. together with three storied building & out house thereon situated at 15, Cossipore Road, P.S. Chitpur, Calcutta.

P. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwi Road, Calcutta-16.

Date : 8-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th May 1978

Ref. No. AC-5/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I,
P. P. SINGH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 15, situated at Cossipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 7.9.77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|--|--------------|
| (1) Shrimati Champa Gouri Ajmera Lilam Mehta & Sovita Motani | (Transferor) |
| (2) Shrimati Dropati Devi | (Transferee) |
| (3) 1. Mohd. Sebhān 2. Mohd. Elias 3. Jyoti Electroplating 4. Shree Pal Singh 5. RajBali Yadav 6. Mullick Industries 7. Rubber Roller Print & Industrial 8. Kedco 9. P.D. Industries | |

10. Sham Sunder Rathi
11. Micro Filters
12. Rubber Rollers Printing & Industrial
13. Bajrangbali Agency
14. Ram Suchet Singh
15. K.C. Jain
16. R.K. Singh
17. Radhe Shyam Goenka
18. Shyam Sunder Rathi
19. Sushila Devi Goenka
20. Kusum Art Print
21. Mohd. Elias
22. Balkishan Rathi
23. Shyam Sunder Rathi
24. Govindhan Das Rathi
25. India Paper Pulp
26. Ply Plastic Industries
27. Amar Singh
28. K.L. Pandey
29. M.P. Singh
30. Budhraj Rathi
31. Mahesh Plastic Industries
32. Shyam Sunder Rathi
33. Sett & De
34. Sadhana Industries
35. Cossipore Industries
36. Jubilee Plastic
37. Ramkishna Murthy
38. V. K. Agarwal
39. B. D. Aurora
40. Ravi Shankar Acharya
41. Rampal Singh
42. Kishanlal Singh
43. Cossipore Industries
44. Meera Devi Shah
45. Madan Lal Shah
46. Shub Shankar Ray
47. Rajinder Prasad Singh
48. Surinder Prasad Singh
49. Balkishan Agarwala
50. T. N. Trivedi
51. N. K. Trivedi
52. K. L. Pandey & Ors.
53. R. L. Dave

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of all that piece and parcel of land measuring 1 Bigha 12 K. 9 Ch. 33 Sft. together with three storied building & out house thereon situated at 15, Cossipore Road, P.S. Chitpur, Calcutta.

P. P. SINGH,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-IV,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th May 1978

Ref. No. AC-6/Acq.R-IV/Cul/78-79.—Whereas, I,
P. P. SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 15, situated at Cossipore Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 7.9.77
for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Champa Gouri Ajmera
Lilam Mehta & Sovita Motani
(Transferor)
- (2) Shrimati Rita Agarwal
(Transferee)
- (3) 1. Mohd. Sehan
2. Hohd. Elias
3. Jyoti Electroplating
4. Shree Pal Singh
5. Raj Bali Yadav
6. Mullick Industries
7. Rubber Roller Print & Industrial
8. Kedco
9. P.D. Industries

- 10. Sham Sunder Rathi
11. Micro Filters
12. Rubber Rollers Printing & Industrial
13. Bajrangbali Agency
14. Ram Suchet Singh
15. K.C. Jain
16. R.K. Singh
17. Radhe Shyam Goenka
18. Shyam Sunder Rathi
19. Sushila Devi Goenka
20. Kusum Art Print
21. Mohd. Elias
22. Balkishan Rathi
23. Shyam Sunder Rathi
24. Goverdhan Das Rathi
25. India Paper Pulp
26. Ply Plastic Industries
27. Amar Singh
28. K.L. Pandey
29. M.P. Singh
30. Budhraj Rathi
31. Mahesh Plastic Industries
32. Shyam Sunder Rathi
33. Sett & De
34. Sadhana Industries
35. Cossipore Industries
36. Jubilee Plastic
37. Ramkrishna Murthy
38. V. K. Agarwal
39. B. D. Aurora
40. Ravi Shankar Acharya
41. Ramlal Singh
42. Kishanlal Singh
43. Cossipore Industries
44. Meera Devi Shah
45. Madan Lal Shah
46. Shib Shankar Ray
47. Rajinder Prasad Gupta
48. Surinder Prasad Singh
49. Balkishan Agarwala
50. T. N. Trivedi
51. N. K. Trivedi
52. K. L. Pandey & Ors.
53. R. L. Dave

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of all that piece and parcel of land measuring 1 Bigha 12 K. 9 Ch. 33 Sft. together with three storeyed building & out house thereon situated at 15, Cossipore Road, P.S. Chitpur, Calcutta.

P. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16,

Date : 8-5-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sushovan Burman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Shyamal Mitra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AC-7/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, P. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20B situated at Station Road, Calcutta-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of all that piece and parcel of land measuring 11 cottahs 4 chittaks together with partly two storied and partly three storied building thereon situated at 20B, Station Road, P. S. Kasba Sadar, Calcutta-31, more particularly as per deed No. 4490 of 1977.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA**

Calcutta, the 15th May 1978

Ref. No. AC-8/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, P. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20B situated at Station Road, Calcutta-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Calcutta on 28-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

S/Shri

- (1) 1. Smt. Kanak Burman,
- 2. Pradip Burman,
- 3. Shankar Burman,
- 4. Shyamal Burman (minor),
- 5. Swapan Burman (minor) and
- 6. Nandita Burman (minor).

(Transferor)

- (2) S/Shri Shyamal Mitra and Chanchal Mitra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of all that piece and parcel of land measuring 11 cottahs 4 chittaks together with partly two storied and partly three storied building thereon situated at 20B, Station Road, P. S. Kasba Sadar, Calcutta-31, as per deed No. 4489 of 1977.

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 15-5-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Shri Sujit Kumar Burman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chanchal Mitra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1978

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-9/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, P. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

20B situated at Station Road, Calcutta-31
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 28-9-1977
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of all that piece and parcel of land measuring 11 cottahs 4 chittaks together with partly two storied and partly three storied building thereon situated at 20B, Station Road, P. S. Kasba Sadar, Calcutta-31, as per deed o. 4488 of 1977.

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Arun Kumar Burman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chanchal Mitra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA**

Calcutta, the 15th May 1978

Ref. No. AC-10/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, P. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20B situated at Station Road, Calcutta-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of all that piece and parcel of land measuring 11 cottahs 4 chittaks together with partly two storied and partly three storied building thereon situated at 20B, Station Road, P.S. Kasba Sadar, Calcutta-31, as per deed No. 4487 of 1977.

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Vivekananda Banerjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Rabilal Patel.
Sri Hansraj Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th May 1978

Ref. No. AC-12/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, P. P. SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

74 situated at
Ganguly Bagan Lane, Serampore, Hooghly
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Serampore on 12-9-77.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4 cottahs 2 chittacks together with two storied building thereon situated at 74, Ganguly Bagan Lane, P. S. Serampore, Hooghly.

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date . 16-5-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
12—106GI/78

FORM ITNS

(1) M/s. Volga Hotels Pvt Ltd.,
1C, Clark Road, Mahalaxmi,
Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Indian Hotels Co. Ltd.,
Taj Mahal Hotel,
Chatrapati Shivaji Marg,
Bombay-400039.

(Transferee)

(3) M/s. Indian Hotels Co. Ltd.,
Taj Mahal Hotel,
Chatrapati Shivaji Marg,
Bombay-400039.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay, the 15th May 1978

Ref. No. AR-III/A.P.276/77-78.—Whereas, I. G. A.
JAMES

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 11, H. Nos. 11, 14, 15A, 15B and 15C
situated at Bramanwada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-9-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A compact plot of pieces or parcels of vacant Agricultural land at Village Bramanwada, Taluka Andheri bearing the following Nos. :

| Survey No. | Hissa No. | GTS No. | Admeasuring Sq. Yards. | (i.e.sq.mtrs.) |
|------------|-----------|----------|------------------------|------------------------------|
| 11 | 11 (Part) | 93 | 549 | 459.01 |
| 11 | 11 (Part) | 80 | 356 | 297.81 |
| 11 | 14 | 82 | 700 | 585.27 |
| 11 | 15A(Part) | 81(Part) | 160 | 133.77 |
| 11 | 15B | 81(Part) | 1452 | 1214.01 |
| 11 | 15C | 81(Part) | 786 | 657.17 |
| | | | | 4003 sq yds 3347.04 sq. mtrs |

and also undivided one half share in 20 feet wide passage bearing Survey No. 10 Hissa Nos. 5A (Part) and 7 (Part) adm. 240 sq. yards (i.e. 201 sq. mtrs.) and all combined into one plot and assessed by Municipal Corporation of Greater Bombay under K-Ward No. 5911(a) Street No. Express Highway, near Nehru Road and bounded as follows :

- On or towards the North : Land bearing Survey No. 11 Hissa Nos. 11 (Part) and 15A (Part).
- On or towards the East : Survey No. 10 Hissa Nos. 1 (Part), 5 (Pt), 7 (Pt).
- On or towards the South : Survey No. 10 Hissa Nos. 4 and existing approach Road.
- On or towards the West : Western Express Highway.

G. A. JAMES
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date : 15th May, 1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay, the 15th May 1978

Ref No. A.R.II/2507-3/Sept.77.—Whereas, I, G. A. JAMES being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

formerly S. No. 46 Plot No. 2 and non-agricultural S. No. 291 and now City S; No. H/106 of Bandra, Danda situated at Tilak Road Santacruz (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 21-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tayabally Abdulally Parekh. (Transferor)
- (2) M/s. Arun Overseas Corporation, Partner
Shri Amarchand Jainarayan Agarwal,
Shri Arunkumar Jaganath,
Shri Rajkumar Jhumarmal Agarwal,
Smt. Bhanwaridevi Radhakishan Agarwal. (Transferee)
- (3) 1. Electric Bus Station
BSES

S/Shri

2. Mrs. J. Baxter
3. Nirmal Kumar and Yokesh G. Rungta
4. Gordhandas J. Dattani
5. Mrs. Libaben D. Doshi
6. Mrs. Kashubai K. Chaurasia
7. Panabai G. Rungta
8. Jagdish J. Patel
9. Navin V. Chotai
10. Mrs. Pushpaben C. Panchal
11. Mrs. Girjashankar J. Bhatt
12. Mrs. Vina D. Shah
13. Mr. Banvarilal H. Sharaf
14. Mrs. Irundokhi Rustom Maibarakai
15. Shah Ratilal Joitram
16. Shah Champaklal Sagar
17. Nanalal Mangilal Jain
18. Shobhalal Bharamalji
19. Bhanji Nanji Shah
20. Peter D'Souza
21. Rustom Kikosraw Mubarakai & Others.
(Person in occupation of the property)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of non-agricultural land or ground together with the messuage tenements or dwelling houses or bungalow standing thereon situate lying and being at Santacruz in Bombay Suburban District in the Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra containing by admeasurment 1340 square yards i.e. 1120.41 square meters or thereabouts and registered in the records of the Collector of Thana formerly under Survey No. 46 Plot No. 2 and non-agricultural Survey No. 291 and now bearing City Survey No H/106 of Bandra Danda and formerly assessed by Santacruz Municipality under No. 23 and now assessed by the Bombay Municipal Corporation under H Ward No. 3716(1) and 3715(2) Street No. 3 at Tilak Road, Santacruz and bounded on the East by the property of Chunilal Tarpida, on the West by the property of Tayabally Abdulally Parekh with the common fencing between the aforesaid land and the land of Tayabally Abdulally Parekh, on the north by the property of Gulmukhrai Sookhanand and on the south by a public road (known as Tilak Road) leading to the Santa Cruz Railway Station.

G. A. JAMES
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date : 15th May, 1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
BIHAR
BORING CANAL ROAD,
PATNA**

Patna, the 23rd May 1978

Ref. No. III-269/Acq/78-79/186.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 31-B W. No. 2, Circle No. 6 Seet No. 21, Plot No. 53 situated at Patna Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 7-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri
 (1) 1. Smt. Aba Mukherjee
 W/o Wing Commander A. B. Mukherjee,
 Moll Fraser Road, P.S. Kotwall, Dlst. Patna
 (Patna Town)
 2. Smt. Rani Bala Devi
 W/o Late Shri Ababi Bhushan Mukherjee,
 3. Shree Amiya Bhushan Mukherjee
 4. Shree Tara Bhushan Mukherjee
 Both sons of Late Shree Ababi Bhushan Mukherjee
 Above Sl. 2, 3 and 4 resident of Sinha Library Road,
 Fraser Road, Patna Town,
 Dlst. Patna.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Shree Narayan Khetan
 S/o Shree Sita Ram Khetan Advocate (Profession)
 2. Smt. Ansuya Devi Khetan
 W/o Mr. Shree Narayan
 Both residents of Chock Bazer, Monghyr
 At present Exhibition Road, P.S. Kotwali, Patna town, Dlst. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 7 Katha 3 Dhur 15 Dhurki with Single storied pucca building situated at Sinha Library Road on of short of Fraser Road, Patna Town vide Circle No. 6 Ward No. 2, Seet No. 21, Plot No. 53, Holding No. 31-B, Patna Town, as per deed No. 3513 dated 7-9-1977.

J. NATH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bihar,
 Patna.

Date : 23rd May 1978

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Sri Lakshmandas;
2. Sri Umeshkumar
Both r/o Gandhi Road, Morar,
Gwalior.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sulochana W/o Arunkumar
2. Sri Ajay Kumar S/o Shri K. C. Kapur
3. Smt. Komila Rani W/o Sri K. C. Kapur,
All R/o Jayandraganj,
Gwalior.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th April 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/982.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gwalior on 22-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property, situated Gandhi Road, Morar, Gwalior.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 26-4-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 26th April 1978

Ref No. IAC/ACQ/BPL/78-79/983.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 10-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of—

(1) 1. Shri Kishanchand
S/o Shri Satramdas,
R/o Sindhi Colony, Bhopal.
(Transferor)

(2) Smt. Pushpabai w/o Shri Prataprai,
R/o 57, Old Sindhi Colony,
Bhopal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

. THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

First floor of house constructed on Plot No. 107, situated at Kunjilal Bag, Berasia Road, Bhopal.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 26-4-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th April 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/984.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26-9-77
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramkaushal S/o Shri Shyamsunderdas, R/o 47, Srinagar, Indore

(Transferor)

(2) Smt. Sukhwant Kaur Gil,
W/o Shri Harbhajansingh,
R/o 47, Srinagar Colony,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House no. 57, situated at Srinagar Colony, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 26-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhagirath s/ Shri Mohanlal Sharma,
R/o 6, Race Course Road,
Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Narayan;
2. Shri Lalchand;
3. Shri Ramchand;
4. Shri Laxmandas
(All sons of Shri Jhandomal),
R/o H. No. 24, Alapura, Near Bairathi Colony,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th April 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/985.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 8-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 24, Alapura, (Near Bairathi Colony), Indore.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-4-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Manohar S/o Shri Shridhar dev,
R/o 51-F, Mayur Co-op. Housing Society,
College Lane, Opp. Portugese Church, Dadar,
Bombay.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Sumanbai
W/o Shri Shyamsunder Modi,
R/o 8/2 Gautampura, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 26th April 1978

Ref No IAC/ACQ/BPL/986.—Whereas, I, R. K.
BALI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
House situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 24-9-1977,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-A, Street No. 2, Jail Road, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 26-4-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th April 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/987.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Khandwa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khandwa on 21-9-1977
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shrimati Leelabai
Wd/o Shri Yeshwantrao Sholley;
2. Shri Arvind;
3. Kripa Sholley;
4. Smt. Vijaya Sholley;
5. Dilip and
6. Smt. Kiran.
All sons and daughters of
Shri Yeshwantrao Sholley,
R/o Quarter No. 647-M 2C Section,
Govindpura, Bhopal.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Govindprasad;
2. Shri Ramchandraji
Sons of Shri Ganmulalji Soni,
R/o H. No. 38, Ward No. 18,
Ramkrishna Mandloi Marg,
Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2½ storied house, bearing No 38, Block No. 38, Plot No. 75, Ward No. 18, Khandwa.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prabhakar Jaywantrao Jakatdar,
Group Captain A-3, Forth Lane,
H.A.C. Town Ship, G. T. Road,
Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Ayashabegam Abdul Majid Khan,
Snaihad Naseem Khan
S/o Mehboobai Khan
R/o Ansari Ward, Bhandara.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
NAGPUR

Nagpur, the 3rd April 1978

Ref. No. JAC/ACQ/60/78-79.—Whereas, I, H. C.
SHRI VASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part portion of Plot No. 36-1 and Building thereon in Tandon Ward, Sheet No. 34, Bhandara situated at Bhandara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhandara on 12-3-1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part portion of Plot No. 36-1 and Building thereon in Tandon Ward Sheet No. 34, Bhandara.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

H. C. SHRIVASTAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3rd April 1978

Seal :

FORM ITNS(1) Shri Lekhraj Bherumal Tanwani,
Aurangabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SI
ONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 11th April 1978

No. IAC/ACQ/65/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double storeyed House M. No. 5-22-30/1 at Paithan Gate, Aurangabad situated at Aurangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aurangabad on 1st September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Alkabai w/o Kantilal Muthiyani,
Aurangabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed House M. No. 5-22-30/1, at Paithan Gate, Aurangabad.

H. C. SHRIVASTAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 11-4-1978

Seal :

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 26th May 1978

Ref. No. A-181/JRT/78-79/1948-51.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 5302 (New) and P.P. No. 3 (New) situated at Jorhat, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 23-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Aruna Bezbarua
W/o Shri Ram Kamal Bezbarua,
Jorhat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dr. Taruneswar Sharma,
2. Shri Amaveswar Sharma,
Jorhat.

(Transferee)

(3) Shri R. P. Jalan (Agarwalla),
Advocate,
Jorhat.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring one Bigha, one Katta and twelve Lessa alongwith one Assam type house measuring 4,335 Sq. ft. situated at Jorhat town in the district of Sibsagar, Assam.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 26-5-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore, the 10th May 1978

C.R. No. 62/13131/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. old 19, later on (F. 76) 26.1 and New No. 2, situated at Papaih Lane, Doddamavalli, Bangalore (Corporation Division No. 37) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Document No. 1294/77-78 on 22-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rathnamma,
W/o Sri T. Mumiyenkategowda,
No. 196, 7th Main Road,
4th Block, Jayanagar,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri K. T. Vishwanath,
S/o Sri K. S. Thimmarajaiah,
No. 413, Avenue Road Cross, Bangalore
or
No. 2, Papaih Lane, Doddamavalli,
Bangalore-560004.

(Transferee)

(3) (1) Shri A. Srinivasamuthy (Ground floor)
(2) Sri K. Narayanappa (Ground floor)
(3) Sri A. Gopalakrishna (First floor)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1294/77-78 dated 22-9-1977]

House bearing old No. 19, lateron (F. 76) 26-1, and New No. 2, Papaih Lane, Doddamavalli, Bangalore. (Corporation Division No. 37).

Boundaries :

East=Property belonging to Sri Nagaraja Rao.

West=Property belonging to Smt. Rukmimyamma.

North=Property belonging to B. L. Bayyanna and,

South=Papaih Lane.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. Acq/796/Aligarh/77-78/7480.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number.

As per Schedule,
situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 29-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri C. V. Dagur S/o Govind Singh,
R/o Maris Road, Aligarh, General Attorney
Smt. Vijai Kumari Devi (Mrs. Vijai Kumari
Dagur) W/o C. V. Dagur
Present Address : 5, Hariram, Flat Panchwati,
2nd Lane, Ambabadi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Rajendra Singh S/o Harswarup Singh
Smt. Kumud W/o Rajendra Singh,
Kasimpur Power House,
Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that **Chapter**.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Double storeyed House bearing No. 3/136, situated at Janakpuri, Maris Road, Distt. Aligarh transferred for an apparent considerations of Rs. 1.40,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 30-1-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mrs. Zaibunnisa Vakil W/o N. A. Vakil, H. No. 5-3-960/2 at Faseh Jung lane, Nizam Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master Inderjeet Singh,
2. Master Mohan Singh,
3. Baba,
all bearing minors represented by Grand father Sri Sardar Ram Singh, H. No. 15-6-452, Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 41/78-79.—Whereas I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Port. 5-9-301, situated at Gunfoundry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 13-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of the H. No. 5-9-301 at Church Road, Gun Foundry, Hyderabad admeasuring 341 Sq. Yds. registered *vide* Doc. No. 2516/77 with the Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Mhs. Zaibunnisa Vakil, W/o N. A. Vakil,
H. No. 5-3-960/2 at Nizam Shahi Road,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Surjeet Singh S/o Sardar Ram Singh, H. No.
15-6-452 at Begum Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 42/78-79.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Port. 5-9-301, situated at Church Road Gun Foundry, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 13-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Portion of the House No. 5-9-301 at Church Road, Gun Foundry, Hyderabad, registered *vide* Doc. No. 2515/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—106GI/78

Date : 12-5-1978

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 43/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15-1-503/A/34
situated at Siddiember Bazar, Hyderabad
situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli on September 1977
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Sri Shamsunder Agarwal, S/o Mangaturam,
Hyderabad.
H. No. 15-1-560, Siddiember Bazar,

(Transferor)

(2) Kumari Shobha Bai, D/o Satyanarayana,
H. No. 15-1-551 Siddiember Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor Mulgi, No. 15-1-503/A/34 at Ashokmarket Siddiember Bazar, Hyderabad, registered *vide* Doc. No. 723/77 with the Sub-Registrar Doodbowli, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri K. Suryanarayana Murthy,
H. No. 194/2 at Chiragali lane,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Daffodills Educational Society, Represented by
Smt. Frey Amina Saleem,
H. No. 3-6-164, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th May 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

Ref. No. RAC. No. 44/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 420, situated at Parnasree Pally, P. S. Behala Plot No. 8, situated at Ananda Himayatnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 28-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring 470.20 Sq. Yds. plot No. 8 in Ananda Layout, Ward No. 3 Block No. 6 at Himayatnagar, Hyderabad, registered *vide* Doc. No. 2679/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-5-1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 45/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 34-13, situated at Mahakali Street, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 9-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as fore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Radhakishen Jhaver S/o Sri Naridas, 366-T. H. Road Tondiarpet, Madras.

(Transferor)

(2) Smt. Vonamala Bhoolaxmi, W/o Late V. Venkiah, H. No. 4-2-263 at Mahakali Street, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Double storied building No. 3-4-13 situated at Mahakali Street, Secunderabad, registered *vide* Doc. No. 1504/77 with the Sub-Regist., Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th May 1978

Ref. No. RAC. No. 46/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 2-3-15 plot, situated at M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Secunderabad on 29-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) 1. Sri K. M. Sharfuddin,
2. Sri K. M. Fakhruddin,
3. Sri K. M. Moinuddin,
4. K. M. Kutubuddin,
all residing at 57-M.G. Road,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s Jabbar Real Estate,
54-Nallagutta, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Open plot bearing No. 57 (New No. 2-3-15) situated at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered *vde* Doc. No. 1628/77 with the sub-Registrar, Secunderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1978

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269B(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th May 1978

Ref. No. 3979/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sri Ranga Talkies,
situated at Venkataramanujulu St., Varadarajapuram, Ambattur, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambattur (Madras) (Doc. No. 785/77) on September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Abaranji Ammal;
2. Shri S. R. Gopalakrishnan;
3. Shri S. G. Radhakrishnan;
4. Shri S. R. Muthukrishnan;
5. S. M. Vijaykumar (Minor);
6. S. M. Udayakumar (Minor) (Minors represented by Shri S. R. Muthukrishnan);
7. Shri S. R. Janardhanam;
8. Shri S. R. Lakshmi Pathy;
9. Shri S. R. Hariharan;
10. Smt. R. Saroja;
11. Smt. Premavathi and
12. Shri S. J. Ramesh
No. 253 Madras-Tiruvelllore High Road,
Ambattur, Madras.

(Transferor)

- (2) Shri S. Mariappa Nadar
No. 101, T.H. Road,
Madras 600 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 17150 Sq. ft. (with building) (known as Shree Renga Talkies situated at Survey No. 195/3, Venkataramanujulu Street, Varadarajapuram, Ambattur, Madras.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 15-5-78

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. R. Kamala alias R. Makalammal
W/o Shri V. Ramaswamy Chettiar
No. 2, Srinivasan St., Raja Annamalaipuram,
Madras-28.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Jirgees;
2. Shri Imthiaz;
3. Shri Mohamed Faiyaz;
4. Mohamed Anas (Minor) represented by his
father Shri M. Abdulla
5. Mohamed Riaz (Minor) represented by his
father Shri M. Abdulla;
6. Mohamed Faizal (Minor) represented by Shri
M. Abdulla
No. 22 Vijendraswami Mutt St., Kumbakonam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th May 1978

Ref. No. 3990/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 59.

situated at T.S.R. Big St., Kumbakonam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 1520/77) on 13-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2835 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 59, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 15-5-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th May 1978

Ref. No. 3992/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39, 39A, 39B, 39C, 39D, 39E, 39F, 39G, 39H, 39I and 39J, situated at Ellaiammankoil St. Thanjavur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Thanjavur (Doc. No. 2593/77) on 3-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) 1. Shri M. M. Zakria,
I, LIC Colony, Velacheri, Madras-61;
2. Shri M. M. Ibrahim;
3. T. Thameem (minor);
4. T. Niaz (Minor)
5. T. Shehnaz (Minor)
(Minors 3, 4, and 5 represented by Shri S. M. Tahir);
6. Habiba and
7. Zulalka Beevi.

(Transferors)

- (2) 1. Shri A. Abdul Roauf;
2. Shri A. Mohamid Kuthubudeen;
3. Shri A. Abdul Rasheed; and
4. Shri A. Abdul Jabbar
No. 2108 Sankarappa Vathiyar Lane,
Ellaiammankoil St., Thanjavur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7306 Sq. ft. (with buildings) situated at Door Nos. 39, 39A, 39B, 39C, 39D, 39E, 39F, 39G, 39H, 39-I and 39-J, Ellaiammankoil St., Thanjavur (T.S. Nos. 2319, 2312 and 2316).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6,
Delhi/New Delhi.

Date: 15-5-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. Muthusami Gounder;
S/o Shri Periaswami Gounder
1052 Covai Road, Karur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th May 1978

Ref. No. 3993/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S Nos. 334/5 & 334/6, (12317 Sq. ft.) situated at Lakshminarayananapuram village, Karur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office Karur West (Doc. No. 2799/77) on 6-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) 1. Shri M. Karuppu Reddiar
S/o Shri Marudai Reddiar
Merchant, Jawahar Bazaar, Karur; and
2. Shri M. Vairaperumal Chettiar
S/o Shri Marudhan Chettiar
Merchant, South St., Karur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 12317 Sq. ft. (with building) (oil mill) and bearing T.S. Nos. 334/5 and 334/6 situated at Lakshminarayanasamudram village, Karur. (Doc. No. 2799/77).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 15-5-78

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
15—106GI/78

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th May 1978

Ref. No. 8002/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4-C, Ward No. 4, situated at T.S. No. 3068 Rajappa Nagar, Tanjore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer ISR Tanjore (Doc. No. 2884—I. No. 97) on 24-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. D. A. Durairaj
 S/o Shri D. Arunachalam
 No. 40, IV St., Rajappa Nagar, Tanjore.

(Transferor)

(2) Smt. Vasantha Anandakumar
 W/o Shri Ananthakumar
 No. 40, IV St., Rajappa Nagar, Tanjore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 6180 Sq. ft. (with building) and bearing Plot No. 4-C (Ward No. 4) (T.S. No. 3068) situated at Aajappa Nagar, Tanjore.

K. PONNAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 15-5-78

Seal :

FORM ITNS —

(1) Smt. Vasanthi Anandakumar,
Wo Shri Ananthakumar
40, IV St., Rajappa Nagar, Tanjore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. D. A. Rurairaj
S/o Shri D. Arunachalam
40, IV St., Rajappa Nagar, Tanjore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 15th May 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 8002/Sp/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 163/2, and situated at Eswari Nagar, Thanjavur (land and building), described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR, Thanjavur (Doc. No. 2884—I. No. 98) on 24-9-1977 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

THE SCHEDULE

Land and building bearing R.S. 163/2 situated at Eswari Nagar, Tanjore.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date: 15-5-78
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6**

Madras-6, the 15th May 1978

Ref. No. 8004/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 31,

situated at Vilar Vattam, Tanjore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR Tanjore (Doc. No. 2724/77) on 19-9-1977

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. B. Challadurai
S/o Shri Peththanna Nadar
Old Mariamman Koll St., Tanjore.

(Transferor)

(2) Shri B. K. Rajaiyan
Sivaroyar Thottam First St.
Manambu Chavadi, Tanjore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 8 Acres and 52 1/2 Cents and bearing R.S. No. 31, Vilar Vattam, Tanjore Taluk.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date: 15-5-78
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri B. Gunasekara Pandyan
S/o Shri Pethihanna Nadar
Old Mariamman Koil Road, Tanjore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri B. K. Thulasiraman
S/o Shri Kuppusami
Sivaroyar Thottam First St.
Manambu Chavadi, Tanjore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 15th May 1978

Ref No. 8004/Sep/77.—Whereas, I, K. POONNAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 31, situated at Vilar Vattam, Tanjore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSR Tanjore (Doc. No. 2725/77) on 19-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land admeasuring 8 Acres and 52 1/2 Cents and bearing R.S. No. 31, Vilar Vattam, Tanjore Taluk.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date . 15-5-78.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Lakshmana Nadar
Arulananda Nagar, Tanjore.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. Jayaraman
S/o Shri Kuppusami Chettiar,
Sivaroyar Thottam 2nd St.,
Manambuchavadi, Tanjore.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 8004/Scp/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 31, situated at Vilar Vattam, Tanjore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Tanjore (Doc. No. 2726/77) on 19-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 8 Acres and 52 1/2 Cents and bearing R. S. No. 31, Vilar Vattam, Tanjore Taluk.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 15-5-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. L. Sivapakiam
W/o Shri Lakshmana Nadar
Arulananda Nagar, Tanjore.

(Transferor)

(2) Smt. Nagammal
W/o Shri Kuppusami
Sivaroyar Thottam I Street,
Manambuchavadi, Tanjore

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6.

Madras-6, the 15th May 1978

Ref. No. 8004/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 31, situated at Vilar Vattam, Tanpore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR, Tanjore (Doc. No. 2727/77) on 19-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 8 Acres and 52 1/2 Cents and bearing R.S. No. 31, Vilar Vattam, Tanjore Taluk.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-5-78.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6.

- (1) 1. Shri Chokkanatha Thevar;
 2. Shri Meyyanathan;
 3. Shri Subramanian;
 4. Shri Anandasekaran and
 5. Vinayagamurthy;
 6. Shri Kumaraswami Thevar (by Gen. Power Agent—Vasu Thevar); and
 7. Shri S. Somasundra Thevar
 Avanathankottai village, Aranthangi Taluk, Pudukkottai Dist.

(Transferor)

- (2) Dr. Mrs. B. Alagammal
 W/o Shri R. Balaram
 Sandaipettai Road
 (Opposite to Bus Stand)
 Arantangi.

(Transferee)

Madras-6, the 15th May 1978

Ref. No. 8014/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 5/4A, situated at Sandaipettai Road, Arantangi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arantangi (Doc. No. 2078/77) on 26-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing S. No. 5/4A situated at Sandaipettai Road, Arantangi. (14 Cents).

K. PONNAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-5-78
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ambalal Kuberdas Shah,
C-4, Minita Apartments, Navrangpura,
Ahmedabad-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

- (2) 1. New Amruta Par Co-Op-Housing Society,
through Chairman, Shri V. C. Amin,
10, Narmada Nagar (Athuva Lines, Surat).
2. Shri Jitendrakumar Shantilal Modi,
Secretary, New Amruta Park Co-Op. Housing
Society, Nisha's Khadki, Khadia, Ahmedabad.

(Transferee)

Ahmedabad-380 009, the 16th May 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq.23-1-1365(661)/1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 115-2, Paiki and 115-3 T.P.S. 20-F. P. 288 Sub-Plot 6-A situated at Kocharab, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad in September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Land & Building at Moge Kocharab Taluka at Survey No. 115-2 Paiki and 115-3 Paiki T.P.S. No. 20—Final Plot No. 288—Sub-Plot No. 6-A—registered with the registering authority, Ahmedabad in the month of September, 1977 as per sale-deed No. 6184/77 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 16-5-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 23rd May 1978

Ref. No. P. R. No. Acq. 23-1-1507(662)/16-1/77-78.—
 Whereas, I, S. C. PARIKH;
 being the Competent Authority under Section
 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
 (hereinafter referred to as the 'said Act'),
 have reason to believe that the immovable property, having
 a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. bearing Plot No. 120&134 situated at Bhakumbaji Para,
 Dhoraji
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
 Dhoraji on 13-9-1977
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid
 property and I have reason to believe that the fair market
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration
 for such transfer as agreed to between the parties has not
 been truly stated in the said instrument of transfer with the
 object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or said Act. or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons namely :—

(1) Shri Chabildas Hirachand
 Power of attorney holder of
 Jayakunvar Jadavji Bhangali
 Bhakumbaji Para, Dhoraji.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ramjibhai Muljibhai Zhalavadiya,
 2. Shri Jayantilal Muljibhai Zhalavadiya,
 3. Shri Dhirajlal Muljibhai Zalava diya
 Opp : Mahakali Lodge,
 in the plot of Kanji Odhavji,
 Dhoraji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed residential building standing on land
 admeasuring 1378 sq. yds. bearing plot Nos. 120 and 134,
 situated at Bhakumbaji Para, Dhoraji and as fully described
 in the sale deed registered vide Regn. No. 913 dated,
 13-9-1977.

S. C. PARIKH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 23-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 6th May 1978

C. R. No. 62/13115/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property bearing No. 1 B.P. Wadia road, Basavanagudi, Bangalore-4 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi Bangalore Doc. No. 1238/77-78 on 14-9-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

(1) 1. Mrs. Elizabeth Pearsell Ten Broeck w/o William Devis ten Broeck.
2. Miss Sophia Ten Broeck d/o William Devis Tan Broeck.
both residing at No. 1, B. P. Wadia road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferors)

(2) The East West Educational Trust, rep. by Shri G. H. Chandrasekhar. Principal, East West School, Arumugam Circle, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1238/77-78, dated 14-9-77)
Property bearing No. 1, B. P. Wadia road, Basavanagudi, Bangalore-4.

Boundaries :

N.—Road.

S.—The portion retained in the transferor B. P. Wadia road.

W.—Krishnarajendra road.

E.—The portion retained in the transferors.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 6-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 6th May 1978

C.R. No. 62/14246/78-79/Acq/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property bearing old No. 28 and New No. 33, situated at J. C. Road, Bangalore, (Corporation Division No. 39) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 1965/77-78 on 18-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri M. Lakshmaiah, S/o Sri Munichennappa,
(2) Sri A. L. Satyanarayana, S/o Sri M. Lakshmaiah,
(3) Sri Srinivasa,
(4) Sri Kshetrapal,
(5) Sri Dinesh
(6) Sri Mruthyunjaya
(Minors) Children of Sri A. L. Satyanarayana and they are represented by their father and natural guardian Sri A. L. Satyanarayana.
- (7) Sri A. L. Vasudev, S/o Sri M. Lakshmaiah. All residing at: No. 4, Pabbalanna Street, Begur Hobli, Augugodi, Bangalore South Taluk.
(Transferor)
- (2) (1) Shrimati S. N. Satya Bhama, W/o Sri S. Narayana Setty,
(2) Sri S. N. Viswanathiah Setty, S/o S. Narayana Setty, Both residing at N. R. Extension, Chintamani, Kolar Dist.
(Transferee)
- (3) Sri Babulal Galge.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1965/77-78 Dated 18-11-1977)
Property bearing old No. 28 and New No. 33, J. C. Road, Bangalore (Corporation Division No. 39).

Boundries—

East—Minerva Theatre
West—J. C. Road,
North—Balaji Lodge and
South—Minerva Theatre.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 6-5-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE-1**

Bangalore-1, the 6th May 1978

C. R. No. 62/12974/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property bearing Corporation No. 5, (Built on C.I.T.B. Site No. 461) situated at Ashoka Piller Road, IIInd Block, Jayanagar, Bangalore-11 (Corporation Division No. 33) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Document No. 1488/77-78 on 26-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri H. S. Narayana Rao,
S/o H. Subba Rao,
No. 461, II Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) (1) Smt. C. V. Nagarathnamma, W/o
Sri C. K. Venkatachalapathy Chetty,

(2) Sri C. V. Seetharam

(3) Sri C. V. Sudhakar

(4) Sri C. V. Prematath

(5) Sri C. V. Jagadeesh and

(6) Sri C. V. Raghu,

All sons of Sri C. K. Venkatachalapathy Chetty
No. 2 and 3 are residing at No. 80, Mulla Saheb
Street, Madras-1, No. 1 and 4 to 6 residing at No.
4, K. N. Lane, Nagarpet Cross, Bangalore.

(Transference)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 1488/77-78 Dated 26-9-1977)

Property bearing Corporation No. 5 (built on C.I.T.B. Site No. 461) Ashoka Piller Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11 (Corporation Division No. 33).

Boundaries :—

East—Property of (CITB site No. 460) Corporation No. 4, belonging to Shri H. Nanjundappa.

West—(C.I.T.B. Site No. 462), Corporation No. 6, belonging to Shri K. Rangaswamy.

North—Kanakanapalya 100' Main Road and

South—20' Road

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 6-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

(1) Shri Neti Lakshminarayana Sastry, Rajahmundry,
Neti Krishna Somayajulu, Rajahmundry,
Smt. Nori Chandramathi Devi.

(Transferor)

(2) Srikrishna Sharma, Rajahmundry,
Sri Hari Ram Khandelwal, Calcutta,
Banwarilal Sarma, Calcutta.

(Transferee)

(3) Shri S. K. Sharma & Others.
(Person in occupation of the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Acq. File No. 667 Ref. No. J. No. 290(9)/77-78.—
Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9/336(21-13-18) situated at Aiyapuram, at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 22-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The Schedule property as per the registered documents No. 3448/77 and No. 3449/77 registered before the Sub-registrar, Rajahmundry during the fort-night ended 30-9-1977.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 19-5-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri M. G. Chakrapani Naidu,
S/o M. Govindaswamy Naidu,
No. 8, South Cross Road,
Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shrimati Grace Shyamala Pushparaj,
W/o Sri J. Pushparaj,
No. 19/2, "Krupa",
Pattalamma Temple Street,
Basavanagudi, Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 24th May 1978

C. R. No. 62/13104/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant land in premises bearing No. 9, situated at South Cross, Basavanagudi, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore Document No. 1198/77-78 on 8-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1198/77-78 dated 8-9-77)
Vacant land in premises bearing No. 9, South Cross, Basavanagudi, Bangalore-4.

Boundaries :—

East—Vendor's property,
West—South Cross Road,
North—Vendor's property and
South—Private property.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 24-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Dharmendra Kumar & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Suresh Chandra & Others,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 25th April 1978

Ref. No. S-163/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Mohalla Bazar Kot, Kasba Amroha, Moradabad
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amroha (Moradabad) on 21-9-1977
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed house measuring 75×50 fts. situate at Mohalla Bazar Kot, Kasba Amroha Distt. Moradabad and all that which is mentioned in form 37-G No. 4480 dated 21-9-1977 and sale-deed registered at the Office of the Sub-Registrar Amroha, Distt. Moradabad on 21-9-1977.

AMAR SINGH BISEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow

Date : 25-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jagwanti Devi & Hingu Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Vishwa Nath Prasad Yadav & Keshri Devi.
(Transferee)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 5th May 1978

Ref. No. 37-V/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-20/2-8 situated at Mohalla Nai Pokhra, Habibpura, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chief Sub-Registrar Varanasi on 17-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A doubl'e storeyed house No. C-20/2-8 measuring 1720 sq. ft. situated at Mohalla Nai Pokhra Habibpura, Varanasi and all that which is mentioned in sale-deed and form 37-G No. 5471 dated 17-9-1977 registered at the office of Chief Sub-Registrar Varanasi.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 5-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dev Raj Bansal S/o Shri Chiranjit Lal
R/o Malvia Road, Dehradun, and
Krishan Lal S/o Shri Mansa Ram
R/o 7, Saharanpur Road, Dehradun.
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-**TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 6th April 1978

Ref. No. ACQ/1118-A/Dehradun/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Scheduled situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 19-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/Ms. Amir Chand Hukum Chand Sawhney
Forest Contractor,
Saharanpur, Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot measuring 1873 sq. yds. bearing Khasia No. 238, Municipal No. 6, Saharanpur Road, Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 87,150/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-4-1978

Seal :